mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-121 | पृष्ठ-8 | मूल्य-3 रूपये

रीवा

04 मई 2025 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

महिला क्रिकेट में... @ पेज 7

पहलगाम हमले के बाद पहली बार पीएम मोदी से मिले जम्मू कश्मीर के सीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद पहली बार जम्मू कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने पीएम मोदी के साथ मुलाकात की है। 25 मिनट तक चली इस मीटिंग में आतंकवाद को खत्म

- **पीएम मोदी और सीएम उमर अब्दुल्ला की 25 मिनट चली मीटिंग**

करने को लेकर अहम चर्चा हुई है। पहलगाम घाटी में 22 अप्रैल को दोपहर के समय चार आतंकियों ने पर्यटकों पर हमला किया था, जिसमें 26 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद से जम्मू कश्मीर का पर्यटन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पर्यटन पर आधारित रोजगार लगभग खत्म सा हो गया है। सभी होटल खाली पड़े हैं। लोगों ने बड़े पैमाने पर जम्मू कश्मीर के टिकट और होटल बुकिंग कैंसिल कराई। पहलगाम आतंकी हमले के बाद सेना ने आतंकियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया। वहीं, कश्मीर के नेताओं ने लोगों से बुकिंग कैंसिल न करने की भी अपील की थी। हालांकि, बाद में सुरक्षा कारणों से कई जगहों को पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया।

जम्मू कश्मीर में हमला करने वाले आतंकियों ने पाकिस्तान में ट्रेनिंग ली थी। ऐसे में भारत ने आतंकियों के पनाह देने वाले पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौता रद्द कर दिया और सभी पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा भी कैंसिल कर दिए। अधिकतर पाकिस्तानी नागरिक अपने देश वापस लौट चुके हैं। हालांकि, कुछ लोग अभी भी भारत में मौजूद हैं और इनमें से अधिकतर भारत में ही रहना चाहते हैं।

पाकिस्तानी आतंकियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई के लिए तैयार भारत: पहलगाम हमले के बाद पीएम मोदी ने दो बार आम जनता को संबोधित किया है और दोनों मौकों पर उन्होंने आतंकियों को चुन-चुनकर मारने की बात कही है। वहीं, भारतीय वायुसेना और नौसेना बड़े पैमाने पर अभ्यास कर रही हैं। भारत ने इमरजेंसी प्रोक्योरमेंट के तहत अमेरिका से 85 वी स्वॉर्ड मिसाइल खरीदने का भी फैसला किया है। इसके साथ 48 लॉन्चर और नाइट विजन भी खरीदी जाएंगे। यह मिसाइल भीड़भाड़ वाले इलाकों में छिपे आतंकियों को मारने के लिए इस्तेमाल की जाती है। ड्रोन के जरिए इस मिसाइल से हमला किया जा सकता है। अमेरिका ने इसी मिसाइल से 9/11 हमले के मास्टरमाइंड अल जवाहिरी को मारा था। ऐसे में भारत भी इसी मिसाइल के जरिए पहलगाम हमले के आतंकियों को खत्म कर सकता है।

संक्षिप्त समाचार

पहलगाम आंतकियों के पीछे श्रीलंका की पुलिस भी पड़ी

कोलंबो (एजेंसी)। भारत के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों की तलाश श्रीलंकाई पुलिस भी कर रही है। भारत की मदद करने के लिए श्रीलंका की पुलिस ने शनिवार को चेन्नई से कोलंबो आ रहे एक विमान की तलाशी ली, क्योंकि उसे सूचना मिली थी कि पहलगाम आतंकवादी हमले से जुड़ा एक संदिग्ध विमान में सवार हो सकता है। पुलिस प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। इस सूचना के बाद गहन जांच की गई। हालांकि ये नहीं बताया गया कि संदिग्ध पकड़ा गया या नहीं। राष्ट्रीय विमानन कंपनी श्रीलंकन ??एयरलाइंस की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि उसका विमान चेन्नई से कोलंबो के भंडारनायके

अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्थानीय समयानुसार पूर्वाह्न 11¬59 बजे पहुंचा और आगमन पर उसकी व्यापक सुरक्षा जांच की गई। बयान में कहा गया, ''भारत में वांछित एक संदिग्ध के बारे में चेन्नई क्षेत्र नियंत्रण केंद्र द्वारा अलर्ट किये जाने के बाद स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर तलाशी ली गई, क्योंकि माना जा रहा था कि वह जहाज पर सवार है।'' बयान में कहा गया कि विमान की गहन जांच की गई और बाद में उसे आगे के परिचालन के लिए मंजूरी दे दी गई।जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। भारतीय अधिकारियों ने पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार पांच आतंकवादियों की पहचान की है - जिनमें तीन पाकिस्तानी नागरिक भी शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया में वोटों की गिनती भी पूरी, एंथनी अल्बनीज ने दूसरी बार जीता चुनाव

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया में आम चुनाव के लिए शनिवार को सुबह से शुरू हुआ मतदान शाम करीब 6 बजे संपन्न हो गया। इसके साथ ही वोटों की गिनती भी मतदान के साथ-साथ चलती रही जो कि पूरी हो गई है। मौजूदा प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज लगातार दूसरी बार चुनाव जीत गए हैं। वह पिछले 21 वर्षों में ऐसी जीत दर्ज करने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई

प्रधानमंत्री बन गए हैं। उनका कार्यकाल तीन साल का होगा। विपक्षी नेता पीटर डटन ने शनिवार के चुनाव में हार स्वीकार करते हुए कहा, ''हमने इस (चुनाव प्रचार) अभियान के दौरान अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, यह आज रात स्पष्ट हो गया है, और मैं इसके लिए पूरी जिम्मेदारी स्वीकार करता हूं।''उन्होंने कहा, ''इससे पहले, मैंने प्रधानमंत्री को उनकी सफलता पर बधाई देने के लिए आज फोन किया। यह लेबर पार्टी के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है।' बता दें कि शनिवार सुबह 6 बजे मतदान शुरू हुआ था। मगर समय जोन में अंतर के कारण कुछ जगहों पर मतदान देर तक जारी रहा। इस बार देश में चुनाव प्रचार के दौरान महंगाई और आवास की कमी प्रमुख मुद्दे रहे। जनता ने इन मुद्दों को लेकर प्रमुखता से मतदान किया है। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी अपने बेटे के साथ वोट डाला। बता दें कि पूर्वी ऑस्ट्रेलिया में मतदान सुबह आठ बजे शुरू हुआ और यह शाम छह बजे तक जारी रहा। समय क्षेत्र (टाइम जोन) में अंतर के कारण पश्चिमी तट पर मतदान दो घंटे बाद आरंभ और समाप्त हो गया। प्राधिकारियों ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया में एक करोड़ 81 लाख पंजीकृत मतदाता हैं। ऑस्ट्रेलिया उन कुछ देशों में से एक है जहां मतदान अनिवार्य है।

दिल्ली¬ जापानी पार्क में पेड़ से लटका मिला लड़की का शव, मचा हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां के जापानी पार्क में एक लड़की का शव पेड़ से लटका हुआ मिला है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, सुबह 6¬45 बजे प्रशांत विहार पुलिस स्टेशन में सूचना मिली कि जापानी पार्क में एक अज्ञात किशोरी पेड़ से लटकी हुई मिली है। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और पाया कि किशोरी दुपट्टे से पेड़ से लटकी हुई थी। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। क्राइम ब्रांच और एफएसएल की टीमों को मौके पर बुलाया गया है। मृतक की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। आगे की जांच जारी है। ये जानकारी दिल्ली पुलिस के हवाले से सामने आई है। इससे पहले दिल्ली के सुल्तानपुरी इलाके में बुधवार को चाकू मारकर एक युवक की हत्या कर दी गई थी। हथियारबंद बदमाशों ने युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर उसकी जान ले ली। परिजनों का आरोप है कि पुरानी रंजिश के कारण ये हत्या की गई है। मृतक की पहचान सूरज के रूप में हुई है, जिसकी उम्र 21 साल थी। युवक की कुछ दिन पहले ही शादी हुई थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक के परिजनों ने बताया कि 2-3 साल से झगड़ा कर रहा था। चांद का झगड़ा था। चांद यूट्यूबर था, उसके साथ में ये लोग आए थे। हॉस्पिटल के पास आए और कार आगे लगाकर सूरज को रोका फिर चाकू मारकर चले गए। आरोपी 2-3 बाइक पर आए थे। इमरजेंसी वार्ड में उसे देखने नहीं दिया। पुलिस ने मदद नहीं की। उत्तरी दिल्ली के गुलाबी बाग इलाके में महिलाओं के सार्वजनिक शौचालय के बाहर खड़े होने से मना करने पर दो नाबालिगों ने दो पुरुषों पर चाकू से हमला कर दिया।

अब खुलेंगे मुंबई आतंकी हमले के अहम राज

कोर्ट के अंदर एनआईए ने तहव्वुर राणा की आवाज और लिखावट के लिए सैंपल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा से एनआईए पूछताछ कर रही है। एनआईए ने शनिवार को दिल्ली की एक अदालत में मुंबई आतंकी हमले के सूत्रधार तहव्वुर राणा की आवाज और हस्तलिपि (लिखावट) के नमूने एकत्र किए। राणा को कड़ी सुरक्षा में न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) वैभव कुमार के समक्ष लाया गया। एनआईए ने बंद कमरे में हुई अदालती कार्यवाही में उसकी हस्तलिपि के नमूने लिए।

कोर्ट के आदेश का किया पालन: सूत्र ने बताया कि राणा ने विभिन्न वर्ण और अंक लिखे। राणा का प्रतिनिधित्व करने वाले उसके कानूनी सहायक वकील पीयूष सचदेव ने अपने मुवक्किल की ओर से कहा कि उसने 'हाल में अदालत द्वारा दिए गए आदेश का पूरी तरह से पालन किया है, जिसमें उसे अपनी आवाज और लिखावट के नमूने प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था।'

12 दिनों की बढ़ाई गई न्यायिक हिरासत

हाल में अदालत ने एनआईए को राणा की आवाज एवं हस्तलिपि के नमूने लेने को कहा था। विशेष एनआईए न्यायाधीश चंद्रजीत सिंह ने एनआईए के आवेदन पर 30 अप्रैल को यह आदेश पारित किया। न्यायाधीश सिंह ने 28 अप्रैल को राणा की हिरासत 12 दिनों के लिए बढ़ा दी थी।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की थी याचिका : मुंबई के 26/11 हमले के मुख्य षडयंत्रकर्ता डेविड कोलमैन हेडली उर्फ ??दाऊद गिलानी के करीबी तहव्वुर राणा को भारत लाया गया है। वह अमेरिकी नागरिक है और अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने उसके भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ उसकी समीक्षा याचिका चार अप्रैल को खारिज कर दी थी। मुंबई आतंकी हमले में गई थी 166 लोगों की जान

बता दें कि मुंबई में 26 नवंबर, 2008 को 10 पाकिस्तानी आतंकवादियों ने एक रेलवे स्टेशन, दो शानदार होटलों और एक यहूदी केंद्र पर भीषण हमला किया था। यह हमला करीब 60 घंटे तक चला था। इसमें 166 लोगों की जान चली गई थी। आतंकवादी अरब सागर के रास्ते भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई पहुंचे थे।

फांसी के फंदे से लटके मिले महिला और तीन बेटियों के शव

ठाणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी शहर में सनसनीखेज वारदात सामने आई है। शनिवार को 30 वर्षीय एक महिला और उसकी तीन नाबालिग बेटियों के शव उनके घर में फंदे से लटके पाए गए। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी मच गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि मृतक महिला का पति जब रात की डयूटी करके सुबह के समय घर लौटा तो उसने महिला और उसकी तीन बेटियों (जिनकी उम्र क्रमशः 13, 11 और 8 साल थी) के शवों को पंखे से बंधे फंदों से लटका देखा। पुलिस ने दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने कहा, 'हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि यह आत्महत्या का मामला है या इसकी वजह कुछ और है। इस बात की जांच की जा रही है कि महिला और उसकी बेटियों ने एक साथ आत्महत्या की या महिला ने फंदे से खुद लटकने से पहले लड़कियों को मार डाला था।'

दिल्ली पुलिस ने बांग्लादेशी घुसपैठ कराने वाले गैंग का भंडाफोड़ किया

फर्जी डॉक्यूमेंट बनाकर बांग्लादेशियों को भारत में बसाते थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने एक स्पेशल ड्राइव के तहत अवैध बांग्लादेशियों को भारत में बसाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस ऑपरेशन में 6 बांग्लादेशी नागरिक, 5 भारतीय सहयोगी और कुल 33 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को चेन्नई से गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक पकड़े गए आरोपियों के पास से फर्जी आधार कार्ड, बांग्लादेशी दस्तावेज, कंप्यूटर, हार्ड डिस्क, स्कैनर, मोबाइल सिम कार्ड और तकरीबन 20 हजार रुपए बरामद किए गए हैं। आरोपियों पर फर्जी दस्तावेजों के जरिए भारत में अवैध रूप से बांग्लादेशों को बसाने और रोजगार दिलाने का आरोप है।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक इस गैंग का सरगना चांद मियां है, जो खुद बांग्लादेशी है और भारत में अवैध रूप से 5 साल की उम्र से रह रहा है। पुलिस के मुताबिक चांद मियां पिछले तकरीबन 5 साल से भारत में अवैध बांग्लादेशियों को बनाने का रैकेट चला रहा है। चांद मियां पश्चिम बंगाल, मेघालय और बेनापोल सीमा के ज़रिए बांग्लादेशियों को अवैध तरीके से भारत में घुसपैठ करवाता था। भारत में अवैध बांग्लादेशियों की एंट्री होने के बाद उन्हें चंद मियां ट्रेन के जरिए उन्हें दिल्ली, बैंगलोर, चेन्नई जैसे बड़े शहरों में ले जाता था। यहां फर्जी आधार और पैन कार्ड बनवाकर उन्हें दिहाड़ी मजदूरी, कूड़ा बीनने और कबाड़ का काम दिला देता था।

पुलिस के मुताबिक 12 मार्च 2025 को पुलिस को सूचना मिली कि एक बांग्लादेशी नागरिक असलम उर्फ मसूम मोहम्मद तैमूर नगर में अवैध रूप से रह रहा है। पूछताछ में उसने अपना पता नोआखाली, बांग्लादेश बताया और बताया कि वह हाल ही में भारत में आया है। पूछताछ के दौरान मिले सुरागों के आधार पर पुलिस ने चांद मियां सहित अन्य सहयोगियों तक पहुंच बनाई और चांद मियां को विजयवाड़ा से गिरफ्तार कर पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ कर दिया।

20 सेकेंड में चोरी हो गई लग्जरी गाड़ी

दिल्ली एनसीआर में शातिर गैंग के 8 चोर पकड़ाए, दुबई में बैठा है मास्टरमाइंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। कार चोरी करने वाली गैंग का मास्टरमाइंड शारिक साठा दुबई में बैठा है। वहीं, गैंग के आठ सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जो कार चोरी करने से लेकर उसे ठिकाने लगाने तक अलग-अलग काम करते थे। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतरराष्ट्रीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस गैंग के तार दुबई से जुड़े हुए हैं। दुबई में बैठा इसका सरगना आमिर पाशा पूरा नेटवर्क चला रहा था। आमिर पाशा सम्भल हिंसा के आरोपी और इंटरनेशनल कार चोर सारिक साथ का भतीजा है। दिल्ली पुलिस ने अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से 15 महंगी चोरी की गाड़ियां बरामद की हैं। इसके अलावा नकली नंबर प्लेट, फर्जी आरसी और डुप्लीकेट चाबियां भी बरामद की गई हैं। पुलिस के मुताबिक चाइनीज डिवाइस के जरिए कोडिंग कर गाड़ियों की चाबियां बनकर चोरी की जाती थी। गैंग के सदस्य महज 20 सेकेंड में कार चुरा लेते थे।

इस पूरे ऑपरेशन की शुरुआत आरोपी ताज मोहम्मद उर्फ ताजू की गिरफ्तारी से हुई, जिसे 18 अगस्त 2024 को पकड़ा गया था। पूछताछ में ताज ने गिरोह की मोड्स ऑपरेंडी का खुलासा किया। इसके बाद पुलिस ने मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में छापेमारी कर अन्य आरोपियों को पकड़ा। 26 फरवरी 2025 को तीन और आरोपियों को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर पकड़ा गया, जब वे चोरी की गाड़ियों को लेकर जा रहे थे। गिरोह का सरगना आमिर पाशा दुबई से पूरे नेटवर्क को चलाता था। वह तकनीकी उपकरण जैसे प्रोग्रामर, ब्लैंक चाबी और जीपीएस स्कैनर भारत भेजता था। गिरोह के सदस्य एक-दूसरे की पहचान नहीं रखते थे, जिससे पुलिस तक पहुंचना मुश्किल हो जाता था।

'मुझे भी लगता है सीएम बनूं लेकिन बात कहां बन पाती है'

महाराष्ट्र महोत्सव के दौरान अजित पवार का छलका दर्द

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार का सीएम न बन पाने का दर्द आज छलक पड़ा। उन्होंने कहा कि मुझे भी लगता है कि मैं भी सीएम बनूं लेकिन बात नहीं बन पाती है। लेकिन इस दर्द के साथ ही उन्होंने उम्मीद भरी बात भी की। उन्होंने आगे कहा- कभी ना कभी तो वो दिन आएगा। उन्होंने महाराष्ट्र महोत्सव के दौरान ये बात कही। दरअसल, अजित पवार की अगुवाई वाली राष्ट्र्वादी कॉन्ग्रेस की ओर से मुंबई के वर्ली स्थित जाम्बोरी मैदान में महाराष्ट्र महोत्सव का आयोजन किया गया है। यह आयोजन एक मई से शुरू हुआ है और यह 4 मई तक चलेगा। इस मोहत्सव के दौरान विविध क्षेत्र में काम करने वाले गणमान्य लोगों को सम्मानित किया जा रहा है। इस समारोह के दौरान एक मई को गीतकार , पटकथा लेखक जावेद अख्तर को सम्मानित किया गया था। आज 2 मई

को भी मराठी कलाकारों , और पत्रकारों के सथ ही खेल जगत से जु?ी महिलाओं को सम्मानित किया गया। इसी दौरान उन्होंने वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए अजित पवार का दर्द छलक पड़ा।

कभी ना कभी तो वो दिन आएगा

एक वरिष्ठ महिला पत्रकार ने जब यह कहा कि आने वाले समय में महारष्ट्र की मुख्यमंत्री महिला होनी चहिए। इस पर अजित पवार ने कहा-%हम सभी को ऐसा लगता है कि महिला मुख्यमंत्री होनी चाहिए। लेकिन उसके लिए संयोग भी होना जरूरी है।अब देखिए ना मुझे भी कई वर्षों से लगता है कि मैं मुख्यमंत्री बनूं लेकिन कहां बात बन पाती है। कभी ना कभी तो वो दिन आएगा।

बता दें कि अजित पवार का राजनीतिक करियर चार दशकों से ज्यादा का रहा है। इस दौरान उन्होंने महाराष्ट्र की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका जन्म 22 जुलाई 1959 को अहमदनगर जिले के देवलाली प्रवरा में हुआ। वे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के संस्थापक शरद पवार के भतीजे हैं और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री के रूप में कई बार कार्यरत रहे।

5 छात्राओं के साथ रेप मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग की जांच समिति पहुंची भोपाल, जांच अधिकारी से की मुलाकात

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के भोपाल में छात्राओं से दुष्कर्म मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग की जांच समिति भोपाल पहुंच गई है। समिति के सदस्यों ने जांच अधिकारी से मुलाकात की है। भोपाल के एक कॉलेज में कुछ छात्रों ने अपनी पहचान छिपाकर कई छात्राओं को झूठे प्यार में फंसाया और उनके साथ दुष्कर्म किया। आरोपियों ने दुष्कर्म का वीडियो बनाकर पीड़ित छात्राओं को ब्लैकमेल किया और पीड़ित छात्राओं को अन्य छात्राओं से मिलवाने के लिए भी मजबूर किया। महिला आयोग की तरफ से बताया गया कि मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की। यह जांच समिति अपनी जांच के लिए भोपाल पहुंच गई है। रविवार को यह जांच समिति पीड़ित छात्राओं, उनके परिजनों और संबंधित अधिकारियों से मिलकर घटना में की गई कार्रवाई की जानकारी लेगी।जांच समिति के तीनों सदस्य निर्मल कौर (सेवानिवृत आईपीएस अधिकारी, पूर्व डीजीपी, झारखंड), निर्मला नायक (अधिवक्ता, जबलपुर उच्च न्यायालय) और आशुतोष पांडेय (अवर सचिव, राष्ट्रीय महिला आयोग) ने इस मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी से मुलाकात की तथा मामले की जमीनी वास्तविकता को समझने का प्रयास किया। रविवार को यह जांच समिति घटना से जुड़ी कार्रवाई की जानकारी लेने के लिए पीड़ित छात्राओं, उनके परिवारजनों और संबन्धित अधिकारियों से मुलाकात करेगी। सभी पक्षों से बातचीत के आधार पर समिति अपनी रिपोर्ट में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए जरूरी सुझाव देगी।

बेटियां वरदान होती है अभिशाप नहीं, बेटियों को आगे बढ़ाएं : मंत्री राजपूत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। बेटियां वरदान होती हैं अभिशाप नहीं, बेटियों को आगे बढ़ाएं। उक्त विचार खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने सागर में जिला स्तरीय लाडली लक्ष्मी उत्सव कार्यक्रम में व्यक्त किये। खाद्य, नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि पहले हमारी बेटियां जब जन्म लेती थीं तब उनको अभिशाप माना जाता था किंतु अब सरकार द्वारा किए गए प्रयास एवं जागरूकता के कारण अब हमारी बेटियां वरदान बन गई हैं। आज बेटियां जहां फाइटर प्लेन उड़ा रही हैं वहीं सुप्रीम कोर्ट में वकालत भी कर रही हैं। इसी प्रकार हमारी बेटियां कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, नासा, इसरो सहित अन्य शासकीय अशासकीय संस्थानों में बड़े-बड़े पदों पर पुरुषों के बराबर कार्य कर रही हैं।मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि सागर जिले की एक लाख 68 हजार बेटियां लाड़ली लक्ष्मी बन गई हैं। लाडली लक्ष्मी योजना के माध्यम से सरकार बेटियों के जन्म में से लेकर उनके विवाह तक के लिए निश्चित राशि उपलब्ध कराती है।

मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि मध्यप्रदेश की सरकार बेटियों के भविष्य एवं उनके विवाह के लिए हमेशा चिंतित रहकर कार्य कर रही है और अनेक योजनाओं के माध्यम से उनको आगे बढ़ाने, आर्थिक रूप से समृद्ध एवं आत्मनिर्भर करने का कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि आज सागर में लाडली लक्ष्मी के नाम से चौराहे एवं पार्क का नाम रखा है। उन्होंने कहा कि आज लाडली लक्ष्मी योजना को 18 वर्ष से अधिक हो गए हैं और तब की लाडली लक्ष्मी आज अपने घर की लक्ष्मी बनाकर आगे बढ़ रही हैं।

सागर सांसद श्रीमती लता वानखेड़े ने कहा कि बेटियां हैं तो कल है, बेटियां ही कल का भविष्य हैं और बेटियां ही हमारा भारत देश है, इसलिए बेटियों को आत्मनिर्भर बनाएं एवं उनको आत्मरक्षा के लिए प्रशिक्षण भी दिलाएं जिससे कि वह अपना कार्य पूरी निर्भयता के साथ कर सकें।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री राजपूत एवं सांसद श्रीमती लता वानखेड़े सहित समस्त अतिथियों के द्वारा पोषण मेले का अवलोकन किया गया एवं पौधारोपण भी किया गया। मंत्री श्री राजपूत ने बाल विवाह रोकने की शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में लाडली लक्ष्मी बेटियां मौजूद थीं।

माढ़ोताल सबस्टेशन में एम.पी. ट्रांसको ने किए दो नए सर्किटों का ऊर्जीकरण-ऊर्जा मंत्री तोमर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने जानकारी दी है कि मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) ने जबलपुर शहर और ग्रामीण क्षेत्र की पारेषण प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने माढ़ोताल (रिमझा) स्थित 132 के.व्ही. सबस्टेशन में दो नए 132 के.व्ही. सर्किटों का निर्माण कर उन्हें सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया है। इससे पहले इस सबस्टेशन में दो 132 के.व्ही. सर्किट पहले से ही क्रियाशील थे। अब यहां कुल चार सर्किट उपलब्ध हो गए हैं। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि इस परियोजना के तहत लगभग 235 लाख रुपये की लागत से डबल सर्किट डबल स्ट्रिंगिंग ट्रांसमिशन टावर और सबस्टेशन में दो नए सर्किटों का निर्माण कर उन्हें ऊर्जीकृत किया गया है। इस उन्नयन से जबलपुर शहर की विद्युत आपूर्ति पहले से अधिक लचीली और विश्वसनीय हो गई है। उन्होंने इस सफलता के लिए एम.पी. ट्रांसको के समस्त कार्मिकों को बधाई दी है। एम.पी. ट्रांसको के मुख्य अभियंता श्री अमर कीर्ति सक्सेना ने बताया कि नई व्यवस्था के अंतर्गत अब माढ़ोताल सबस्टेशन को जबलपुर एवं पनागर स्थित 220 के.व्ही. सबस्टेशनों से डबल सर्किट के माध्यम से कुल चार 132 के.व्ही. सर्किटों से विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। इससे किसी एक फीडर के रखरखाव या तकनीकी बाधा के दौरान भी माढ़ोताल की विद्युत व्यवस्था पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। इस परियोजना के पूर्ण होने से माढ़ोताल, जे.पी. नगर, लेमा गार्डन, कठौंदा, रामेश्वरम सहित ग्रामीण क्षेत्रों के कटंगा और सिहोरा जैसे इलाकों के उपभोक्ताओं को बेहतर और निर्बाध विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर दीं शुभकामनाएं

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंतर्राष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता दिवस की मीडिया के बंधुओं को शुभकामनाएं दीं है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि लोकतंत्र, एकता व प्रगति के लिए ऐसी पत्रकारिता की आवश्यकता है, जो सतर्क होने के साथ प्रत्येक मायने में स्वतंत्र भी हो। पत्रकार बंधु चुनौतियों के बीच कर्तव्य पथ पर गतिमान रहते हुए राष्ट्रसेवा में सतत् सहभागी बने रहें यही कामना है।

अब तक लगभग 16 हजार ग्रामीण कृषकों ने लिया मात्र 5 रुपये में कृषि पंप नवीन विद्युत कनेक्शन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी अपने कार्य क्षेत्र में ग्रामीण एवं कृषि उपभोक्ताओं को अब मात्र 5 रुपये में स्थायी कृषि पंप कनेक्शन उपलब्ध करा रही है। योजना प्रारंभ से अब तक इस योजना का लाभ 16 हजार 545 ग्रामीण कृषकों को मिल चुका है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने कहा है कि कृषि पम्पों के कनेक्शनों की संख्या बढ़ाए जाने हेतु ऐसे कृषक जो विद्युत की उपलब्ध लाइन के समीप स्थित हैं उनको सुविधानुसार आसानी से स्थाई कृषि पंप कनेक्शन दिया जा रहा है। योजना का लाभ अब तक लगभग 4 हजार ग्रामीण उपभोक्ताओं को भी मिल चुका है। नवीन घरेलू एवं कृषि पंप स्थायी विद्युत कनेक्शन का आवेदन सरल संयोजन पोर्टल के माध्यम से किया जा सकता है। इसके लिए श्चश्नह्लड्डद्य.द्वश्चष्५.द्वठ्ठ पर मांगी गई आवश्यक जानकारी देनी होती है। अधिक जानकारी के लिए कंपनी के टोल फ्री नंबर 1912 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

अपने सपनों को ऊंची उड़ान दें और आत्मनिर्भर बनें -मंत्री भूरिया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में आज 2 मई को लाड़ली लक्ष्मी उत्सव मनाया गया। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया झाबुआ जिले में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना केवल आर्थिक सहायता नहीं बल्कि बालिकाओं के आत्मविश्वास और भविष्य के प्रति आशा की नींव हैं। यह योजना बच्चियों को शैक्षणिक और लैंगिक समानता की सकारात्मक सोच को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रारम्भ की गई थी।

मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि हमेशा अपने जीवन का लक्ष्य तय करें और उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरन्तर प्रयास और मेहनत करते रहें। कभी भी जीवन के लक्ष्य से भ्रमित न हों। उन्होंने कहा कि जीवन में शिक्षा के साथ संस्कार भी आवश्यक है। राज्य शासन ने लाड़ली लक्ष्मी योजना के जरिए बालिकाओं के उच्च शिक्षा की जिम्मेदारी भी ले ली है। गरीब परिवारों की बच्चियों के कॉलेज शिक्षा के लिएआर्थिक सहायता दी जाती है। कलेक्टर सुश्री नेहा मीना ने कहा कि जीवन में आर्थिक रूप से सक्षम बनना अत्यंत आवश्यक है। भविष्य के लिए आज से निर्धारित करें कि आने वाले 10 से 15 वर्षों में आप कहाँ होंगे। उन्होंने कहा कि देश और समाज के विकास में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करते हुए अपने आपको सशक्त बनाए।

इस अवसर पर लाड़ली लक्ष्मियों ने अपने अनुभव साझा किए। साथ ही बालिकाओं ने आत्मरक्षा के तरीकों का भी प्रदर्शन किया।

ग्रीष्मकालीन अवकाश में रचनात्मक गतिविधियों से जुड़े विद्यार्थी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)।मध्यप्रदेश के शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी इन दिनों कला एवं अभिव्यक्ति, नाट्य अभिनय, फोटोग्राफी, प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग, पारंपरिक नृत्य, क्षेत्रीय संगीत, हस्तकला एवं लोक कलाएँ, पारंपरिक खेलों, वित्तीय साक्षरता, व्यवसाय, मॉडल, डिज़ाइन, थिंकिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और टेक्नोलॉजी के साथ ही कविता और कहानियों की रचना जैसी अपनी अभिरूचियों के विकास में व्यस्त हैं। दरअसल प्रदेश के विभिन्न शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए समर कैम्प का आयोजन किया जा रहा है।

इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय के अपर संचालक श्री राजीव तोमर ने बताया कि एक मई से प्रारंभ हुए ये समर कैम्प 20 मई 2025 तक संचालित होंगे। शासकीय विद्यालयों में अकादमिक गतिविधियों के साथ विद्यार्थियों में रचनात्मक-सृजनशीलता, कला-कौशल के विकास के लिए इन समर कैम्प्स का आयोजन प्रदेश के समस्त सांदीपनी विद्यालयों, पीएमश्री विद्यालयों, उत्कृष्ट विद्यालयों और मॉडल विद्यालयों के साथ 500 से अधिक नामांकन वाले एकीकृत हायर सेकेंडरी विद्यालयों में किया जा रहा है। समर कैम्प का उद्देश्य विद्यार्थियों में 21वीं सदी के विभिन्न कौशलों जैसे आपसी सहयोग, टीमवर्क, समस्या समाधान, आपसी सामंजस्य, तार्किकता और नेतृत्व जैसे जीवन कौशल विकसित करने के लिए अवसर प्रदान करने के साथ सामाजिक, सांस्कृतिक जागरूकता, डिजिटल और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना तथा विद्यार्थियों में अंग्रेजी भाषा बोलने की क्षमता का विकास आदि हैं। सांदीपनी विद्यालयों में समर कैम्प का आयोजन सामान्यत: एक मई से 20 मई 2025 की अवधि में प्रात: 8 से 11 बजे तक किया जा रहा है। वहीं पीएमश्री उत्कृष्ट एवं मॉडल विद्यालयों में विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा बोलने की क्षमता विकसित करने के लिये कक्षा-3 से 8 और कक्षा-9 से 12 के विद्यार्थियों के लिये समर कैम्प आयोजित किये जा रहे हैं। कैम्प के संबंध में विस्तृत जानकारी संबंधित विद्यालयों के प्राचार्यों को भेजी गयी है। प्रदेश में 20 मई से अधिक अवधि तक समर कैम्प संचालन के संबंध में विद्यालय अपने स्तर पर निर्णय ले सकेंगे।

मध्यप्रदेश आईटी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव में दिखी विकास की झलक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025 का सफल आयोजन राज्य में आईटी, डेटा सेंटर, एआई और स्टार्ट-अप ईको सिस्टम के तेजी से हो रहे विकास में एक मील का पत्थर साबित होगा। इस आयोजन में कई नामी कंपनियों ने राज्य में अपने नए निवेश, विस्तार और योजनाओं की घोषणा की, जो रोजगार और नवाचार के नए अवसरों का सृजन करेगी।

पंचशील रियल्टी ने इंदौर के सुपर कॉरिडोर में 1.2 मिलियन वर्ग फीट के आईटी और कॉमर्शियल प्रोजेक्ट की घोषणा की है। यह कंपनी पहले से ही देशभर में 31.7 मिलियन वर्ग फीट प्रीमियम रियल एस्टेट बना चुकी है। इंदौर में यह प्रोजेक्ट आईटी और आईटीईएस कंपनियों को ध्यान में रखते हुए विकसित किया जा रहा है। यह परियोजना राज्य में आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर की बढ़ती मांग को पूरा करेगी। इससे आईटी, आईटीएस और ईएसडीएम क्षेत्रों की कंपनियों के लिये इंदौर महत्वपूर्ण स्थान बनेगा। पंचशील ब्लैकस्टोन समूह के साथ मिलकर नवी मुंबई में भारत का सबसे बड़ा डेटा सेंटर हब बना रही है, जो 65त्न तक नवकरणीय ऊर्जा पर चलेगा।

पंचशील रियल्टी के चेयरमैन श्री अतुल चोराडिया का कहना है कि इंदौर में आईटी पार्क की शुरुआत हमारे लिए गर्व का विषय है। राज्य का प्रगतिशील दृष्टिकोण, निवेशक अनुकूल नीतियाँ और बुनियादी ढांचा इसे निवेश के लिए आदर्श राज्य बनाते हैं।

यह परियोजना विश्वस्तरीय ईको सिस्टम विकसित करेगी। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड राज्य में उन्नत तकनीकों का करेगा विकास भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (भेल) देश की एक प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी है, जो वर्ष 1954 से स्वदेशी नवाचार को बढ़ावा दे रही है। भेल ने सशस्त्र बलों को मिशन क्रिटिकल रक्षा और इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम दिये हैं।

सिंहासा आईटी पार्क में बनेगा इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सिंहासा आईटी पार्क, इंदौर में जल्द ही इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर बनेगा। जीआईएस-2025 में मध्यप्रदेश सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के तहत दृष्टि सीपीएस और एमपी स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमपीएसईडीसी) के बीच हुए एमओयू से इसका मार्ग प्रशस्त हुआ है। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने बताया है कि इंदौर में सिंहासा आईटी पार्क 10 हजार वर्ग फीट में फैला होगा। यह केंद्र नवाचार, सहयोग और विकास के केंद्र के रूप में काम करेगा। आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन इन्क्यूबेशन सेंटर एंड प्रोटो टाइपिंग लैब की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सुविधा प्रदान करेगा, जिससे स्टार्ट-अप के लिए पेशेवर और कार्यात्मक परिवेश सुनिश्चित होगा। संभावित निवेशकों की पहचान की जाएगी और स्टार्ट-अप के लिए फंडिंग के अवसरों को सुगम बनाया जाएगा।

लगभग आधी जगह को वर्किंग एरिया, मीटिंग रूम और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाओं के लिए निर्धारित की जाएगी। शेष स्थान स्टार्ट-अप के लिए विशेष प्रयोगशालाएँ बनाने और बाहरी जरूरतों को पूरा करने के लिए समर्पित होगा। इन्क्यूबेशन, एक्सेलेरेशन, बूट-कैम्प, हैकाथॉन और अन्य प्रोग्राम से नए और स्थापित स्टार्ट-अप की मदद की जाएगी।

अच्छा कार्य करने वाली पंचायतों को विकास कार्यों के लिये मिलेगी पर्याप्त राशि- मंत्री पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि आने वाले वर्षों में पंचायतों को विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि जो पंचायतें अच्छा कार्य करेंगी, उन्हें विकास कार्यों के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। पंचायतों में सुविधा संपन्न पंचायत भवन बनाने के लिए राज्य सरकार 37.5 लाख और 48.5 लाख रुपये की राशि प्रदान करेगी। इनमें एक भवन क्लस्टर स्तर पर होगा जिसमें सब इंजीनियर का कार्यालय भी बनाया जाएगा । यह बात मंत्री श्री पटेल ने दमोह जिले के जरारूधाम गौ-अभ्यारण में

पंच-सरपंच सम्मेलन एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम एवं जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम में कही। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना के तहत 600 करोड़ रुपये की राशि सिंगल क्लिक से जारी की गई है। उन्होंने कहा कि अब कोई भी दुर्घटना होने पर अब 24 से 48 घंटे के भीतर पीड़ित श्रमिक परिवार को सहायता राशि घर पहुंचाई जाएगी। उन्होंने कहा कि यह योजना श्रमिकों के लिए बड़ा सहारा साबित हो रही है।

कार्यक्रम में जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति और आगामी योजनाओं पर भी चर्चा हुई। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि जरारूधाम क्षेत्र में पथरीले स्थान पर हरियाली लाने के लिए 10 हजार से अधिक पौधे लगाए गए हैं, जो पर्यावरण संतुलन में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि पौधरोपण वहीं किया जाएगा जहाँ पौधों को जीवित रखा जा सके। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून तक जारी रहेगा।

वैश्विक मंच पर अमृतस्य मध्यप्रदेश ने बिखेरी अतुलनीय मध्यप्रदेश की अनुपम छटा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट-2025 में मध्यप्रदेश अपनी रचनात्मकता, सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन संभावनाओं के साथ वैश्विक मंच पर एक नई पहचान बना रहा है। वेव्स के दूसरे दिन शुक्रवार को सांस्कृतिक संध्या में अमृतस्य मध्यप्रदेश समवेत नृत्य नाटिका ने अपनी अद्भुत और ओजपूर्ण प्रस्तुति से अतुलनीय मध्यप्रदेश की अनुपम छटा बिखेरी। इस नृत्य नाटिका के माध्यम से मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर, समृद्ध पर्यटन, इतिहास, कला और परंपराओं को दर्शाया गया।

इसमें हृदयप्रदेश के सांस्कृतिक रंग, सघन वन, ऐतिहासिक स्थल, टेक्सटाइल, परम्पराएं आदि की अनुभूति और आनंद दर्शकों ने लिया। प्रसिद्ध कोरियोग्राफर मैत्री पहाड़ी के निर्देशन में इस नृत्य नाटिका में कथक, भरतनाट्यम, ओडिसी, मणिपुरी, मोहिनीअट्टम, कुचिपुड़ी के साथ ही मध्यप्रदेश के बधाई, बरेदी, मटकी, गोंड, जैसे लोक नृत्य की अद्भुत प्रस्तुति दी।

इसके अलावा नृत्य नाटिका में श्री मुमताज खान के निर्देशन में मध्यप्रदेश के टेक्सटाइल जैसे महेश्वरी, चंदेरी, बाग के वैभव को दर्शाता एक विशेष वॉक हुआ। प्रदेश की अध्यात्मिक चेतना का हुआ संचार

अमृतस्य मध्यप्रदेश एक मनमोहक समवेत नृत्य-नाट्य प्रस्तुति है जो दर्शकों को भारत के हृदय मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक धरोहर से जोड़ती है। यह प्रदर्शन केवल नृत्य नहीं, बल्कि एक यात्रा है जो हमें हजारों वर्षों पुराने इतिहास, भक्ति, प्रेम, प्रकृति और कला की लय में ले जाती है।

राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड जून में प्रथम चरण की परीक्षा करेगा आयोजित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड इस वर्ष जून माह में प्रथम चरण की परीक्षा आयोजित करने जा रहा है। माध्यमिक शिक्षा मंडल के अनुत्तीर्ण छात्रों के लिये रूक जाना नहीं योजना में कक्षा 10वीं और 12वीं के साथ आ लौट चलें कक्षा 10वीं, 12वीं, ओपन स्कूल परम्परागत परीक्षा 5वीं, 8वीं, 10वीं एवं 12वीं, आईटीआई समकक्ष कक्षा 12वीं, सीबीएसई ऑन डिमांड कक्षा 12वीं की परीक्षा 2 जून 2025 से 2 पारियों में की जा रही हैं।

प्रथम पारी में समस्त 12वीं कक्षा की परीक्षा तथा द्वितीय पारी में समस्त 10वीं, 8वीं और 5वीं की परीक्षा आयोजित की जा रही हैं। परीक्षा की समय-सारणी मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड के पोर्टल पर उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिये ई-मेल या मोबाईल ऐप- और फोन नम्बर- 0755-2552106 से भी प्राप्त की जा सकती है। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल से अनुतीर्ण हुए विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण वर्ष खराब नहीं हो, इस उद्देश्य से राज्य शासन की अनुमति से %रूक जाना नहीं% योजना का संचालन मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा किया जा रहा है।

इसमें माध्यमिक शिक्षा मंडल में नियमित और स्वाध्यायी (प्रायवेट) रूप से शामिल अनुतीर्ण विद्यार्थियों को उसी वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण करने का अवसर प्रदान किया जाता है, जिसमें वे परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद पुन: मुख्य धारा से जुड़ सकें। इस योजना का लाभ लेकर कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थी अपनी-अपनी कक्षाओं में उत्तीर्ण करके उच्च अध्ययन के लिये अन्य संस्थाओं में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। रूक जाना नहीं योजना में ऐसे विद्यार्थी, जो माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल अथवा सीबीएसई बोर्ड में वर्तमान सत्र की परीक्षा में अनुतीर्ण हो गये हों अथवा किसी कारणवश आवेदन करने के बाद भी परीक्षा से वंचित रह गये हों, ऐसे विद्यार्थी को अनावश्यक एक वर्ष खराब होने से बचाने के लिये बोर्ड द्वारा माह जून में पुन: उन्हीं के पाठ्यक्रम एवं ब्लू प्रिंट के आधार पर परीक्षा आयोजित की जाती हैं।

सामूहिक श्रमदान से जल स्रोतों की हो रही है सफाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में 30 जून तक चलने वाला जल गंगा संवर्धन अभियान जन भागीदारी के साथ प्रदेशभर में उत्साह के साथ चल रहा है। अभियान में प्रत्येक जिले में जल स्त्रोतों को चिन्हित किया गया है और उनके संरक्षण व साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। छिंदवाड़ा जिले में जन अभियान परिषद ने विकासखंड परासिया में जल गंगा संवर्धन अभियान में मानका देही खुर्द में मालदेव में तालाब गहरीकरण में श्रमदान कर ट्राली से मिट्टी निकाली। कार्यक्रम में जनपद पंचायत सदस्य श्री कुबेर सिंह सूर्यवंशी, ग्राम के उपसरपंच श्री सिरसाम सहित समाजसेवियों ने नागरिकों के साथ श्रमदान किया। श्रमदान के बाद जल संवाद किया गया। मजदूर दिवस के अवसर पर रोजगार गारंटी के मजदूरों को शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। संवाद में जल के महत्व को बताया गया। जन सामान्य को जानकारी दी गई कि अच्छे भविष्य के लिये जल को बचाना जरूरी है। श्रमदान में मास्टर ऑफ सोशल वर्क के छात्रों ने भी श्रमदान किया। देवास जिले में जल है तो कल है, जल की एक-एक बूंद अमृत के समान है।

जल गंगा संवर्धन अभियान तहत प्राचीन झिरिया कुंड के पुनरूद्धार के लिए उठे सैकड़ों हाथ

बगढा दुबे में आयोजित किया गया जल संवाद व श्रमदान कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान अन्तर्गत म.प्र. जन अभियान परिषद द्वारा प्रदेश स्तर पर जल संरक्षण संवर्धन पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में सिरमौर विकासखंड में नवांकुर संस्थाओं के सहयोग से बैकुंठपुर सेक्टर के ग्राम पंचायत बगढा दुबे के प्राचीन झिरिया कुंड परिसर में ग्रामीणों के साथ जल संवाद व श्रमदान का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में प्राचीन झिरिया कुंड के जीर्णोद्धार के लिए ग्रामीणजनों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से स्वच्छता हेतु श्रमदान किया गया, जिसमें कुंड के चारों तरफ के कचरे व गाद को निकालकर कुंड को साफ किया गया। इसके बाद जल संरक्षण के लिए ग्रामीणों के साथ संवाद कर जल संरक्षण का संकल्प लिया गया। संवाद उपरांत सभी प्रतिभागियों को हार्टफुलनेस संस्था की प्रशिक्षक चित्रा खन्ना द्वारा योग अभ्यास कराया गया व जल की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक अमित अवस्थी द्वारा जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम और वर्तमान तथा भविष्य के लिए जल संरक्षण की जरूरत के बारे में चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में खैरहन सरपंच व भरोसा सेवा समिति अध्यक्ष रजनीश कुशवाहा द्वारा सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन विद्या निर्मल समिति के राजीव दुबे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विकासखंड सिरमौर की नवांकुर संस्था विद्या निर्मल ग्रामीण युवा चेतना समिति, भरोसा सेवा समिति, संत कबीर समाज कल्याण समिति के साथ ही ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बगढा दुबे, गुहिया, डेल्ही, रिमारी, जामू के पधाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जन आभियान परिषद् के परामर्शदाता अनुपम अनूप, निकिता सिंह, सुभाष विश्वकर्मा, पटवारी अंजली द्विवेदी, किरण सिंह, गुहिया सरपंच प्रशांत गर्ग, बगढा दुबे सरपंच सिद्धमुनि तिवारी, राघवेंद्र तिवारी, सचिव रामसलोने विश्वकर्मा, एडवोकेट बृजेन्द्र मिश्र, एडवोकेट गोविंद तिवारी, बरौ हाई स्कूल प्राचार्य शिवकुमार त्रिपाठी, पूर्व मंडी अध्यक्ष सीताराम साकेत, हार्टफुलनेस के राहुल जी सहित ग्रामीणजन व समाजसेवी शामिल हुए।

जल संवर्धन अभियान के तहत बैठक कर लोगों को दी गयी जानकारी

मीडिया ऑडीटर, जवा (निप्र)। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद संभागीय समन्वयक श् प्रवीण पाठक, विकासखंड समन्वयक अमित अवस्थी व विकासखंड जवा प्रभारी राजेश चंद्र अवधिया के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नवांकुर संस्था मंगल युवा कल्याण समिति अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह व मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद कंप्यूटर प्रभारी श्रीमती सुधा पाण्डेय, प्रवीण मिश्रा के द्वारा आदर्श ग्राम ऊँचाडीह के खोखला तालाब में बैठक कर जल संरक्षण के उपाय, संचयन उपयोग से सम्बंधित जानकारी दी गई। कि नहाते समय ब्रश करते समय या जब पानी का उपयोग ना हो रहा हो तो नल बंद रखें, कूड़ा ना फेकें न ही तालाबों नदियों या समुद्रो में, वर्षा जल को एकत्रित करके उपयोग में लाएं, जितनी आवश्यकता हो उतना ही जल का उपयोग करें। नहाने के लिए अधिक जल को व्यर्थ ना करें आदि ऐसी कई जानकारी दी गई इसके उपरांत तालाब में श्रमदान किया गया। इस श्रमदान में शामिल महिला पुरुषों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती किरण पाण्डेय सहायिका पुष्पा देवी आशा कार्यकर्ता संगीता तिवारी, रामसिया कोल, पन्नालाल कोल, छोटेलाल कोल, मेवालाल सेन अजय सेन,पिंटू सेन आदि कई प्रबुद्ध ग्रामवासी रहकर रैली निकालने में भी सहभागिता दी।

पुस्तक विक्रेता संघ के द्वारा नि :शुल्क प्याऊ का उद्घाटन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। गर्मी के मौसम में आमजन को राहत देने के उद्देश्य से पुस्तक विक्रेता संघ, जिला रीवा के द्वारा नीम चौराहा, बोदा बाग क्षेत्र में निःशुल्क शीतल पेयजल प्याऊ का उद्घाटन किया गया। संघ के अध्यक्ष संजय गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर प्याऊ का उद्घाटन संघ के संरक्षक श्री नरेंद्र गुप्ता, श्री कमलेश सचदेवा, सुनील अग्रवाल एवं नरेश चुंगवानी (नरु भाई) की गरिमामयी उपस्थिति रहे। इस सामाजिक सरोकार से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य में सभी पुस्तक विक्रेताओं एवं व्यापारियों से सादर अनुरोध किया गया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम स्थल पर पहुँचकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं और जनसेवा के इस पुनीत कार्य में सहभागी बनें।

वन विभाग में चल रहा निर्माण के नाम व्यापक भ्रष्टाचार

सिंहपुर रेंज के शिवराज बीट में चल रहा घटिया निर्माण कार्य

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। वन मंडल सतना में भ्रष्टाचारियों का एक गिरोह के सक्रिय है। जिसके चलते लगातार पूरे जिले में निर्माण के नाम पर व्यापक खेल चल रहा है। सूत्रों की मानें तो पूरे जिले में निर्माण के नाम पर करोड़ों रूपये का खेल सामने आया है। जिसमें वन मंडल कार्यालय में पदस्थ एसडीओ,रेंजों में पदस्थ रेंजरों व विभागीय कर्मचारी का नाम सामने आ रहा है। जानकारी के अनुसार वन वीटों में रोड,बाउंड्री निर्माण, रपटा,तालाबों के निर्माण के लिए करोड़ों रूपये शासन द्वारा व्यय किये जा रहे हैं। लेनिक निर्माण के नाम पर व्यापक स्तर पर अनिमितताएं सामने आई है। अगर इस मामले में डीएफओ द्वारा जांच कराई जाये तो खुद व खुद इन शातिर भ्रष्टाचारियों की पोल सामने आ जायेगी।आगामी दिनों इन शातिर कर्मचारियों के नाम आम जनता के सामने लाया जायेगा।

शिवराजपुर बीट में रेंजर की शह पर चल रहा गुणवत्ता विहीन कार्य: सिंहपुर रेंज के शिवराजपुर बीट का मामला सामने आया है जहां वर्तमान समय में रपटे का निर्माण चल रहा है। जानकारी के अनुसार इस निर्माण के नाम पर व्यापक भ्रष्टाचार चल रहा है। सूत्रों की मानें तो इस घटिया निर्माण में रेंजर सिंहपुर में भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

चल रहा कागजी खेल: सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार वन बीटों में चल रहे निर्माण कार्य में वन मंडल सतना में पदस्थ एसडीओ व बाबू द्वारा व्यापक खेल किया जाता है। निर्माण 3 लाख तो कागजी खेल कर पास हो जाता है 5 लाख और फिर होता है कमीशन का खेल। रपटे के निर्माण में जंगल के पत्थरों का उपयोग किया जा रहा है। जबकि इन पत्थरों के भी फर्जी बिल बनवाकर भुगतान किया जा रहा है। इतना ही नहीं जंगल के रेत व घटिया सीमेन्ट का उपयोग कर निर्माण कार्य चल रहा है।

अगर गुणवत्ता विहीन निर्माण चल रहा है तो मामले को दिखवाता हूं।
हरीश कांत त्रिपाठी
सदस्य जिला पंचायत, अध्यक्ष वन सभापति समिति,सतना

रीवा आईजी गौरव राजपूत के निर्देश पर सतना पुलिस की बड़ी कार्रवाई

प्रधान आरक्षक पर जानलेवा हमला करने वाला आरोपी शॉर्ट एनकाउंटर कर गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रीवा जोन के आईजी आईजी गौरव राजपूत के निर्देश पर सतना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए जैतवारा थाना के बैरक में घुसकर पुलिस पर हमला करने वाले आरोपी अच्छू गौतम उर्फ आदर्श को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी के दौरान पुलिस और आरोपी के बीच मुठभेड़ भी हुई, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगी है।

मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी टिकुरी अकौना मार्ग पर छिपा हुआ है। पुलिस ने घेराबंदी की और आरोपी को पकड़ने की कोशिश की। इस दौरान आरोपी ने पुलिस पर गोली चला दी, लेकिन एसएचओ कोटर दिलीप मिश्रा बुलेट प्रूफ जैकेट पहने होने के कारण बाल-बाल बच गए।

पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई में गोली चलाई, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगी और वह गिर गया। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना पर रीवा आईजी गौरव राजपूत ने आरोपी की गिरफ्तारी पर 30 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। आरोपी अच्छू गौतम उर्फ आदर्श पर पूर्व में कई गंभीर अपराधों के मामले भी पंजीकृत हैं।

जन्मदिन पर किया रक्तदान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना अपने बड़े बुजुर्गों एवं अपने जन्मदिन पर मानव सेवार्थ शहर के अनेक लोग रक्तदान कर न केवल अपना जन्मदिन मनाते हैं बल्कि साथ साथ दूसरों के जीवन मे भी खुशियाँ बिखेरने मे पीछे नहीं रहते।इन्ही मे से एक हैं वरिष्ठ समाजसेवी एवं जनरल मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री जेठानंद वाधवानी जिन्होंने 3 मई शनिवार को अपने 59 वे जन्मदिन पर 59 वा रक्तदान कर अपने साथ दूसरे का भी दिन विशेष बना दिया। श्री वाधवानी पिछले कई वर्षों से निरंतर अपने व अपने बड़े बुजुर्गों के जन्मदिन पर रक्तदान करते हे 1 जनवरी 2024 को पूज्य पिताश्री के जन्मदिन पर पूरे वाधवानी परिवार ने एक साथ रक्तदान किया था। सिन्धू विकास समिति के अध्यक्ष एवं रक्तदाताओं को प्रेरित करने वाले विनोद गेलानी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर सर्वश्री गुरमुख पंजवानी,मनीष सदानी,आकाश बनर्जी डॉ. नेहा क्रिया यादव,ब्लड बैंक से रामभाई त्रिपाठी सविता सिंह,सुबिद्रा सोनी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर का 6-7 मई को सतना-मैहर जिला प्रवास

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार राज्यमंत्री श्रीमती सांवित्री ठाकुर 6 मई को दोपहर 12 बजे अमरकंटक जिला अनूपपुर से सडक मार्ग द्वारा सायं 4 बजे सर्किट हाउस सतना आयेंगी। इसके बाद राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर रात्रि विश्राम मैहर या सतना के सर्किट हाउस में करेंगी। प्रवास के दूसरे दिन 7 मई को राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर प्रातः 8 बजे मां शारदा देवी के दर्शन एवं पूजा करने के पश्चात प्रातः 11 बजे मैहर में आँगनबाड़ी का निरीक्षण करने के बाद सतना पहुंचकर शिशु गृह, सेवा भारती मातृछाया तथा वन स्टॉप सेंटर सतना का निरीक्षण करेंगी। इसके बाद राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर सायं 5 बजे सतना से सडक मार्ग द्वारा जबलपुर के लिए प्रस्थान करेंगी।

वर्ण व्यवस्था पर आधारित उपजातियों में पिछड़ा वर्ग का वर्ण निर्धारण भी जरूरी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। राष्ट्रीय मतदाता जागृति मंच म0प्र0 के प्रदेशाध्यक्ष मास्टर बुद्धसेन पटेल ने कहा कि इस देश मे वर्ण व्यवस्था के आधार पर जातियों का वर्गीकरण किया गया था, जिसमे चार वर्ण बनाए गए थे, ब्राम्हण, क्षत्रिय, वैश्य एवं शूद्र वर्ण, इन चारो वर्णों मे सभी का निर्धारण है, किन्तु पिछड़े वर्ग मे आने वाली हजारों उप जातियॉ कुछ अपने-आपको क्षत्रिय मानती हैं, कुछ वैश मानती है, कुछ शूद्र मानती है, लेकिन रिकार्ड मे उनके वर्ण का निर्धारण आज तक नही हो पाया, इसलिए जातीय गणना के साथ-साथ वर्ण का भी निर्धारण होने से एक खर्च मे सरकार का न्यायपूर्ण कार्य सम्पादित करने मे शासकीय बजट की बचत होगी और नकली क्षत्रिय के दम्भ भरने वालों का वर्ण भी निर्धारित होगा, जिससे क्षत्रिय वर्ण और नकली क्षत्रिय का अलाप भरने वालों को सद्बुद्धि मिलेगी और जो अपने आप को वैश मानते हैं उनका भी घमण्ड चकनाचूर होगा। हजारों उप जातियों मे बटा पिछड़ा समाज अपनी अज्ञानतावश उप जातियों का प्रमाण लेकर वर्ण छिपाने का प्रयास करके आपसी भाई चारा की दूरी बनाने मे लगा रहता है और विभिन्न दलों के लोग जातीय जनगणना कराने की घोषणा का स्वागत करने के साथ-साथ अपनी-अपनी वाहवाही लूटने मे लगे हुऐ हैं। किन्तु पिछड़े वर्ग के वर्ण का कोई लेखा-जोखा नहीं कर रहा है, जिससे पिछड़ा वर्ग मण्डल कमीशन की भांति इस जातीय जनगणना के बाद भी अपने आपको ठगा महसूस करता रहेगा और कोई नकली क्षत्रिय का दम्भ भरता रहेगा और कोई नकली वैश बनकर "न तीन मे रहेगा और न तेरह मे रहेगा, मृदंग बजाए डेरा मे" वाली कहावत को चरितार्थ करता रहेगा और पिछड़ा वर्ग के विभिन्न दलों के नेता उप जातियों का अलाप भरते रहेगें, पिछड़ा वर्ग दिशाविहीन होकर रह जाएगा। आगें मास्टर पटेल ने कहा कि भारत सरकार पिछड़ा वर्ग का वर्ण भी निर्धारित करे कि किस वर्ण में रहेगा, क्षत्रिय मे वैश मे अथवा शूद्र मे। यह निर्धारण भार सरकार पार्लियामेंट मे जातीय जनगणना के विधेयक के साथ वर्ण निर्धारण का प्रस्ताव पारित कर पिछड़ो को सम्वैधानिक अधिकार सुनिश्चित कर सामाजिक न्याय को स्थापित करे।

असफल बोरवेल में एक्विफर रिचार्ज के कार्य व्यापक पैमाने पर किये जा रहे

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कलेक्टर महोदय जिला सतना के निर्देशानुसार असफल बोरवेल में एक्विफर रिचार्ज के कार्य व्यापक पैमाने पर लिए जा रहे हैं इसके तहत जनपद पंचायत नागौद के सभी ग्राम पंचायत में न्यूनतम एक एक्विफर रिचार्ज असफल बोरवेल में बनाया जाना प्रस्तावित है।इसी अनुक्रम में दिनांक 3 मई को ग्राम पंचायत सिंहपुर, बेलगहना, नौबस्ता,बारापत्थर मे असफल बोरवेल में एक्विफर रिचार्ज के कार्य आरंभ किए गए।इसका उद्देश्य भूजल स्तर को बढ़ाना है और असफल बोरवेल को पुनर्जीवित करना है। आज आरम्भ किए गए एक्यूफर रिचार्ज निर्माण कार्यों का निरीक्षण मुख्य कार्यपालन अधिकारी, सहायक यंत्री,जनपद पंचायत नागौद एवं क्षेत्रीय उपन्यत्री के द्वारा किया गया और निर्माण हेतु आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन ग्राम पंचायत को प्रदान किए गया। ग्राम पंचायत सरपंच सचिव एवं अन्य ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

केन्द्रीय जेल में आयोजित हुआ स्वास्थ्य तथा विधिक साक्षरता शिविर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल के निर्देश पर प्रदेश के सभी केन्द्रीय जेलों में विशेष मेडिकल कैम्प तथा विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया । केन्द्रीय जेल रीवा परिसर में प्रधान एवं जिला सत्र न्यायाधीश राकेश मोहन प्रधान की अध्यक्षता में विशेष मेडिकल कैम्प का आयोजन किया गया। शिविर में संजय गांधी अस्पताल, मेडिकल कॉलेज एवं सुपर स्पेशलिटी के 18 विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ चिकित्सकों के मार्गदर्शन में 772 पुरूष एवं 144 महिला बंदियों तथा 08 बच्चों सहित कुल 916 बंदियों में 09 एचआईवी, 7 टीवी सहित अन्य बीमारियों का परिक्षण कर डॉक्टरों द्वारा इलाज कर दवाइयों का वितरण किया गया। इस अवसर पर न्यायाधीश समीर मिश्रा, अपर सत्र न्यायाधीश मोहित कुमार तथा अभय मिश्रा जिला विधिक अधिकारी एवं लीगल एड डिफेंस काउंसिल के पैनल अधिवक्ताओं द्वारा बंदियों को निःशुल्क विधिक सेवाओं की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में जेल अधीक्षक सतीश कुमार उपाध्याय, उप जेल अधीक्षक संजीव कुमार गेंदले एवं योगेश पमार, सहायक जेल अधीक्षक पूजा मिश्रा, चिकित्सक डॉ. पीयूश निगम, विवेक मौर्य, प्रियंका धाकड़, सुरेन्द्र सिंह, आनंद पाण्डेय, अनीश कुमार पाण्डेय, आरती मिश्रा, भीम सिंह द्वारा शिविर में विशेष योगदान दिया गया ।

विचार

जरूरी है मीडिया का भारतीयकरण

यह शब्द हिंसा का समय है। बहुत आक्रमक, बहुत बेलगाम। ऐसा लगता है कि टीवी न्यूज मीडिया ने यह मान लिया है कि शब्द हिंसा में ही उसकी मुक्ति है। चीखते-चिल्लाते और दलों के प्रवक्ताओं को मुर्गो की तरह लड़ाते हमारे एंकर सब कुछ स्क्रीन पर ही तय कर लेना चाहते हैं। निजी जीवन में बेहद आत्मीय राजनेता, एक ही कार में साथ बैठकर चैनल के दफ्तर आए प्रवक्तागण स्क्रीन पर जो दृश्य रचते हैं, उससे लगता है कि हमारा सार्वजनिक जीवन कितनी कड़वाहटों और नफरतों से भरा है। किंतु स्क्रीन के पहले और बाद का सच अलग है। बावजूद इसके हिंदुस्तान का आम आदमी इस स्क्रीन के नाटक को ही सच मान लेता है। लड़ता-झगड़ता हिंदुस्तान हमारा %सच% बन जाता है। मीडिया के इस जाल को तोड़ने की भी कोशिशें नदारद हैं। वस्तुनिष्ठता से किनारा करती मीडिया बहुत खौफनाक हो जाती है। हमें सोचना होगा कि आखिर हमारी मीडिया प्रेरणाएं क्या हैं? हम कहां से शक्ति और ऊर्जा पा रहे हैं। हमारा संचार क्षेत्र किन मानकों पर खड़ा है। पश्चिमी मीडिया के मानकों के आधार पर खड़ी हमारी मीडिया के लिए नकारात्मकता, संघर्ष और विवाद के बिंदु खास हो जाते हैं। जबकि संवाद और संचार की परंपरा में संवाद से संकटों के हल खोजने का प्रयत्न होता है। हमारी परंपरा में सही प्रश्न करना भी एक पद्धति है। सवालों की मनाही नहीं, सवालों से ही बड़ी से बड़ी समस्या का हल खोजना है, चाहे वह समस्या मन, जीवन या समाज किसी की भी हो। इस तरह प्रश्न हमें सामान्य सूचना से ज्ञान तक की यात्रा कराते रहे हैं। आज सूचना और ज्ञान को पर्याय बनाने के जतन हो रहे हैं। सच यह है कि सूचना तो समाचार,खबर या न्यूज का भी पर्याय नहीं है। सूचना कोई भी दे सकता है। वह कहीं से भी आ सकती है। सोशल मीडिया आजकल सूचनाओं से ही भरा हुआ है। किंतु ध्यान रखें खबर, समाचार और न्यूज के साथ जिम्मेदारी जुड़ी है। संपादकीय प्रक्रिया से गुजरकर ही कोई सूचना,समाचार बनती है। इसलिए संपादक और संवाददाता जैसी संस्थाएं साधारण नहीं है। यह कहना आजकल बहुत फैशन में है कि इस दौर में हर व्यक्ति पत्रकार है। हर व्यक्ति फोटोग्राफर है। हर व्यक्ति कम्युनिकेटर, सूचनादाता, मुखबिर हो सकता है, वह पत्रकार कैसे हो जाएगा? मेरे पास कैमरा है, मैं फोटो ग्राफर कैसे हो जाऊंगा। विशेष दक्षता और प्रशिक्षण से जुड़ी विधाओं को हल्का बनाने के हमारे प्रयासों ने ही हमारी मीडिया या संवाद की दुनिया को बहुत बड़ा नुक्सान पहुंचाया है। यह वैसा ही है जैसे कपड़े प्रेस करने वाले या प्रिंटिंग प्रेस वाले अपनी गाड़ियों पर %प्रेस% का स्टिकर लगाकर घूमने लगें। मीडिया में प्रशिक्षण प्राप्त और न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता के बिना आ रही भीड़ ने अराजकता का वातावरण खड़ा कर दिया है। लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, सुभाष चन्द्र बोस, बाबासाहेब आंबेडकर, पं. जवाहरलाल नेहरू, मदनमोहन मालवीय, माधवराव सप्रे जैसे उच्च शिक्षित लोगों द्वारा प्रारंभ और समाज के प्रति समर्पित पत्रकारिता वर्तमान में कहां खड़ी है।

अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों ने एक बार फिर से भारत को फंसाना शुरू कर दिया

आतंकवाद को लेकर पश्चिमी देशों का रवैया हमेशा से डबल स्टैंडर्ड वाला रहा है। अमेरिका पश्चिमी देशों के इस डबल स्टैंडर्ड यानी दोहरे मापदंड की अगुवाई करता रहा है। अमेरिका में 11 सितंबर, 2001 को हुए भयानक आतंकी हमले के बाद दुनिया को ऐसा लगा कि शायद अब अमेरिका की सोच बदल जाएगी लेकिन ऐसा हुआ नहीं। अमेरिका ने अपनी धरती पर हुए आतंकवादी हमले का बदला अफगानिस्तान और पाकिस्तान में घुस कर लिया। लेकिन जब भी उसके चहेते देश पाकिस्तान द्वारा पाले-पोसे गए आतंकवादियों ने भारत को दहलाने का काम किया। तब-तब अमेरिका आगे आकर मीठी-मीठी जुबान में भारत को शांति का पाठ पढ़ाता नजर आया।

लेकिन पाकिस्तान को आतंकवाद का ट्रेनिंग सेंटर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला अमेरिका एक बार फिर से भारत को फंसाने के लिए मैदान में उतर गया है। अपने चिर-परिचित पुराने स्टाइल में अमेरिका ने पहले पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की, भारत का साथ देने का भरोसा दिया लेकिन कुछ ही दिन बाद पाकिस्तान की भाषा बोलते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कश्मीर विवाद को 1,500 साल पुराना विवाद बता दिया। ट्रंप यहीं नहीं रुके बल्कि उन्होंने आतंकवाद से पीड़ित देश भारत और आतंकवाद को फैलाने वाले देश पाकिस्तान को एक ही पायदान पर रखते हुए दोनों ही देशों को अपना करीबी बता दिया। भारत का स्टैंड बिल्कुल साफ है कि आतंकवाद फैलाने वाले देश (पाकिस्तान) से तब तक बातचीत करने का कोई फायदा नहीं है, जब तक वह आतंकवाद को फैलाना बंद न कर दें। लेकिन जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले के बावजूद अब अमेरिका भारत को आतंकवादी देश पाकिस्तान से बातचीत करने की सलाह दे रहा है।

भारत के सख्त तेवरों को देखते हुए अमेरिका ने पाकिस्तान को बचाने के लिए शांति का राग अलापना शुरू कर दिया और अपने इस षड्यंत्र में अन्य पश्चिमी देशों की भूमिका भी तय कर दी।अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने अपने इस मिशन को कामयाब बनाने के लिए बुधवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और भारत के विदेश मंत्री एस.जयशंकर से फोन पर बात की। बातचीत के दौरान,अमेरिकी विदेश मंत्री ने भारत और पाकिस्तान दोनों से तनाव कम करने का आग्रह किया। भारत के विदेश मंत्री और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री, दोनों से अलग-अलग बातचीत करने के बाद अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि, अमेरिका आतंकवाद से लड़ाई में भारत का समर्थन करता है लेकिन उसी बयान में पाकिस्तान से पहलगाम हमले की जांच में सहयोग करने का आग्रह किए जाने की बात भी कही गई है। मतलब, अमेरिका सीधे-सीधे यह कहना चाह रहा है कि पाकिस्तान को सबक सिखाने की बजाय भारत को उसके साथ मिलकर जांच करनी चाहिए।

पहलगाम में 22 अप्रैल, 2025 को जब आतंकवादी भारत के निर्दोष नागरिकों पर गोलियां बरसा रहे थे। उस समय अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत के दौरे पर ही थे। इस आतंकी हमले के कारण, भारत दौरे के दौरान उनके कई कार्यक्रमों को रद्द भी करना पड़ा था। भारत यात्रा के दौरान ही अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने आगरा से प्रधानमंत्री मोदी के साथ फोन पर बातचीत की और जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। वेंस ने जानमाल के नुकसान पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए वादा किया था कि अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त लड़ाई में सभी प्रकार की सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। लेकिन अमेरिका पहुंचते ही उनके भी सुर बदल गए।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने गुरुवार को भारत को नसीहत देते हुए यह कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत युद्ध नहीं भड़काएगा। भारत को नसीहत देते हुए जेडी वेंस ने एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में कहा कि उन्हें आशा है कि भारत इस आतंकवादी हमले का जवाब इस तरह से दे जिससे व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष न हो और वे आशा करते हैं कि पाकिस्तान, जिस हद तक वो जिम्मेदार है, भारत के साथ सहयोग करेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कभी-कभी उनके क्षेत्र में सक्रिय आतंकवादियों का पता लगाया जाए और उनसे निपटा जाए। गुरुवार को ही अमेरिकी रक्षा मंत्री हेगसेथ ने भी भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से फोन पर बातचीत कर शांति का पाठ पढ़ाने का प्रयास किया। अमेरिका से आने वाले हर बयान का संदेश बिल्कुल साफ नजर आ रहा है कि भारत पाकिस्तान पर हमला न करे और पहलगाम आतंकी हमले की पाकिस्तान के साथ मिलकर सयुंक्त जांच करे।

दरअसल, अमेरिका एक साथ कई मोर्चों पर भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है और इस अभियान में अपने मित्र देशों का भी भरपूर सहयोग ले रहा है। अमेरिका से पहले, ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने रविवार को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इशाक डार से बात की थी। बातचीत के दौरान, ब्रिटेन के विदेश मंत्री ने भी भारत को शांति और बातचीत का पाठ पढ़ाने का प्रयास किया था।

अमेरिका क्यों हर बार पाकिस्तान को बचाने के लिए भारत को शांति का पाठ पढ़ाने के लिए मैदान में उतर जाता है, यह पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ द्वारा हाल ही में किए गए खुलासे से समझा जा सकता है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में अपने एक इंटरव्यू में यह बड़ा खुलासा किया था कि पाकिस्तान पिछले तीन दशकों से आतंकवाद फैलाने जैसा गंदा काम अमेरिका और ब्रिटेन के लिए कर रहा है।

ऐसे में अब भारत की वर्तमान सरकार के सामने एक साथ कई तरह की चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। पाकिस्तान को सबक भी सिखाना है, आतंकवादियों को खत्म भी करना है और इसके साथ ही आतंकवाद पर दोहरा मापदंड रखने वाले अमेरिका जैसे देशों की चालबाजियों और दबाव से भी बचना है।

मप्र की सचल कैबिनेट या तुष्टिकरण?

भोपाल से बाहर मंत्रिमंडल की बैठकों की रिवायत नयी नहीं है। राजा, महाराजा, ननबाब और अंग्रेज ये शौक फरमाते रहे हैं। चुनी हुई लोकतान्त्रिक सरकारों ने भी इस रिवायत को छोडा नहीं है। ग्वालियर रियासत में राजधानी गर्मियों में ग्वालियर से हटकर शिवपुरी ले जाई जाती थी। भोपाल वाले पचमढी की शरण लेते थे। इस तरह सचल कैबिनेट के तमाम किस्से हैं। लेकिन मोहन यादव सरकार की कैबिनेट बैठक इंदौर में होना अलग बात है।

बैठकें राजधानी भोपाल में हों या बाहर कोई खास फर्क नहीं पडता। थोडा बहुत वित्तीय बोझ पडता है तो सुशासन के नाम पर उसे झेलना जनता की जिम्मेदारी है। सवाल ये है कि रानी अहिल्या बाई के सम्मान की फिक्र अचानक क्यों करने लगी सरकार। कल को ग्वालियर वाले महाराज कहेंगे कि बैजाबाई के सम्मान में बैठक ग्वालियर करो तो जाना पडेगा। परसों रानी दुर्गावती के सम्मान का मुद्दा खडा हो सकता है। लेकिन भविष्य की फिक्र कौन करता है। सबको आज की फिक्र है। आज रानी अहिल्या बाई होल्कर की 300 वीं जयंती का मामला है।

कैबिनेट का स्थान, समय बदलने से कैबिनेट का चरित्र नहीं बदल सकता। कैबिनेट सामंतों के सम्मान में जो करे सो कम है क्योंकि आज भी सत्ता प्रतिषकी मानसिकता पर होल्करों और सिंधियाओं का असर है। सामंतवाद का नशा उतरने में बहुत वक्त लेता है।

पाक प्रायोजित आतंकवाद पर अमेरिका का ढुलमुल रवैया

योगेंद्र योगी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले 26 से अधिक पर्यटक मारे गए। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों ने यह हमला ऐसे समय में किया जब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स अपनी भारतीय मूल की पत्नी उषा और बच्चों के साथ भारत की यात्रा पर थे। इस हमले के पीछे पाकिस्तान का निहितार्थ इस यात्रा में विध्न डाल कर कश्मीर के मुद्दे पर विश्व का ध्यान आकर्षित करना था। पाकिस्तान इस तरह के कुत्सित प्रयास पूर्व में भी कर चुका है। बेरोजगारी, भारी भरकम कर्जा और घरेलू आतंकवाद से त्रस्त पाकिस्तान ने इन समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए वेंस की यात्रा के दौरान हमला करवाने के समय का चुनाव किया। अमेरिका सहित विश्व के तकरीबन सभी देशों ने इस हमले की तीखी निंदा की। सवाल यही है कि क्या अमेरिका सिर्फ निंदा तक ही सीमित रहेगा। पूर्व में भी इसी तरह के पाक प्रायोजित हमले के दंश भारत झेलता रहा है। जब कभी भी ऐसे हमले हुए हैं, अमेरिका ने सिर्फ घडियाली आंसू ही बहाएं हैं। सही मायने में तो अमेरिका चाहता ही नहीं है कि पाकिस्तान पर ऐसी आतंकी वारदातों को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करे। यही वजह है कि अन्य देशों की तरह अमेरिका भी सिर्फ सहानुभूति जता कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेता है।

अमेरिका बेशक इन हमलों के लिए सीधा जिम्मेदार नहीं हो, किन्तु पाकिस्तान के साथ उसके सैन्य रिश्ते कहीं न कहीं आतंकवाद को प्रोत्साहित करते नजर आते हैं। यह पहला मौका नहीं है जब किसी अमेरिकी विशिष्ट व्यक्ति के भारत दौरे के दौरान आतंकी वारदात हुई है। 20 मार्च, 2000 की रात को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने जम्मू कश्मीर के अनंतनाग जिले के चिट्टीसिंहपोरा गांव में

36 सिख ग्रामीणों का नरसंहार किया था। यह घटना अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की 21-25 मार्च की यात्रा से ठीक पहले हुई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने क्लिंटन के सामने हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ होने का मुद्दा उठाया था। उस समय क्लिंटन जयपुर और आगरा के दौरे पर थे, जबकि विदेश मंत्री मैडलिन अलब्राइट और उप विदेश मंत्री स्ट्रोब टैलबोट भारतीय अधिकारियों से बातचीत करने के लिए दिल्ली में ही थे। वर्ष 2002 में जब दक्षिण एशियाई मामलों को लेकर अमेरिकी असिस्टेंट सेक्रेटरी क्रिस्टीना बी रोका भारत की यात्रा पर थीं, तब 14 मई, 2002 को जम्मू-कश्मीर के कालूचक के पास एक आतंकवादी हमला हुआ। तीन आतंकवादियों ने मनाली से जम्मू जा रही हिमाचल रोडवेज की बस पर हमला किया और सात लोगों की हत्या कर दी। इसके बाद आतंकी आर्मी क्वार्टर्स में घुस गए और अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 10 बच्चों, आठ महिलाओं और पांच सैन्यकर्मियों सहित 23 लोग मारे गए। मारे गए बच्चों की उम्र चार से 10 साल के बीच थी और इस हमले में कुल 34 लोग घायल हुए थे। इन आतंकी हमलों से जाहिर है कि पाकपरस्त आतंकियों ने हमला करने के लिए ऐसे वक्त का चुनाव किया जबकि कोई न कोई प्रमुख अमेरिकी भारत यात्रा पर आया हो। आश्चर्य की बात यह है कि इन हमलों के बावजूद अमेरिका ने कभी पाकिस्तान के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं की। कहने को अमेरिका भारत को महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताता है, किन्तु हकीकत में उसका उद्देश्य सिर्फ व्यवसायिक हित साधना भर रहा है। अमेरिका के व्यवसायिक हित सर्वोपरि हैं।

भारत के भारी विरोध के बावजूद अमेरिका ने पाकिस्तान को घातक एफ16 लड़ाकू विमानों की बिक्री की। इतना ही नहीं इनकी मरम्मत के नाम पर लाखों डालर की मदद भी अमेरिका करता रहा है। अमेरिका ने भारत के विरोध को नजरांदाज करते हुए यह सैन्य मदद दी। अमेरिका न सिर्फ भारत से दुश्मनी साधे हुए पाकिस्तान की हरसंभव मदद करता रहा है, बल्कि विदेशी धरती से भारत के खिलाफ साजिश करने वाले लोग और देशों का सहयोग भी करता रहा है। कनाडा में आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में अमेरिका ने कनाडा की पैरवी की। कनाडा फाइव आई का सदस्य है। फाइव आईज में कनाडा का अहम सहयोगी अमेरिका ने पिछले साल निज्जर हत्याकांड में भारतीय एजेंट्स की कथित संलिप्तता के कनाडा के आरोपों पर टिप्पणी की थी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा था कि हमने साफ कर दिया है कि कनाडा के आरोप बेहद ही गंभीर हैं जिन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए। हम चाहते थे कि भारत कनाडा की जांच में सहयोग करे लकिन भारत सहयोग नहीं कर रहा। इसके बजाए भारत ने एक वैकल्पिक रास्ता चुना है। इतना ही नहीं अमरीकी से भारत को आतंकी कार्रवाई की धमकी देने वाले खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू एयर इंडिया की फ्लाइट को उड़ाने की धमकी दी। इस पर भी अमेरिका ने जानबूझ कर नकेल नहीं कसी। हाल ही में अमेरिका की ओर से जारी किए गए बयानों में भी यह साफ किया जा चुका है कि वह पाकिस्तान को भारत या अफगानिस्तान के नजरिए से नहीं देखता है। अमेरिका की ओर से कहा गया कि वह भारत, चीन, ईरान, अफगानिस्तान से सीमा साझा करने वाले परमाणु सशक्त पाकिस्तान को एक महत्वपूर्ण देश समझता है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय का कहना है कि अमेरिका पाकिस्तान के साथ कई मुद्दों पर साथ मिलकर काम कर रहा है। इन मुद्दों में ऊर्जा, कारोबार, निवेश, स्वास्थ्य, क्लीन एनर्जी, क्लाइमेट संकट से बचाव, अफगानिस्तान में स्थिरता और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई शामिल है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने आगे कहा कि पाकिस्तान में विदेशी निवेश का सबसे बड़ा योगदान अमेरिका का है। साथ ही पाकिस्तान का सबसे बड़ा निर्यात बाजार भी है। भारत से दोस्ती का दंभ भरने वाले अमेरिका ने पाकिस्तान को आतंकी पालने पर कभी भी सख्त कार्रवाई नहीं की। इसके विपरीत भारत की तरक्की और परमाणु क्षमता अमेरिका को तब तक खटकती रही, जब तक भारत ने दोनों क्षेत्रों में विश्व में अपना लोहा नहीं मनवा दिया।

छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में फिर आंधी-तूफान, सरगुजा में आकाशीय बिजली गिरने से शिक्षक की मौत

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में फिर मौसम बदला है। कई हिस्सों में वेस्टर्न डिस्टरबेंस से तेज आंधी-तूफान के साथ बारिश और ओले भी गिर रहे हैं। कुछ इलाकों में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही है। सरगुजा में आकाशीय बिजली गिरने से एक टीचर की मौत हो गई।

मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 3 दिन यानी 6 मई तक ऐसा ही मौसम रहेगा। रायपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर समेत कई हिस्सों में तेज हवाओं के साथ बारिश हो रही है। वहीं गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में ओले भी गिरे।

प्रदेश के तापमान में 4-5 डिग्री की गिरावट आई है। वहीं प्रदेश में आंधी-बारिश का असर रबी की

फसल, सब्जियों और फलों में खासकर आम पर पड़ा है। भिलाई में पपीते, केले और चीकू की 500 एकड़ खेती प्रभावित हुई है।

कई जगह बिजली सेवा बाधित: अंधड़ से इलेक्ट्रिक पोल, तार टूटने से रायपुर, भिलाई समेत कई जिलों में बिजली सप्लाई ध्वस्त रही। व्यवस्था बहाल करने के लिए पावर कंपनी का मैदानी अमला जुटा रहा। शुक्रवार शाम तक करीब 80% व्यवस्था बहाल हो पाई, जबकि देर रात तक बची हुई 20% शिकायतों पर काम चलता रहा।

केले-पपीते, चीकू की फसल बर्बाद, 70-80 लाख का नुकसान : गुरुवार को अंधड़ से दुर्ग जिले के धमधा क्षेत्र में 500 एकड़ में लगी केले, आम, पपीता और चीकू की फसल तैयार होने से पहली बर्बाद हो गई। भास्कर की टीम ने धमधा क्षेत्र के धौराभाठा में फलों की फसल लेने वाले किसानों के कृषि फार्म पहुंची। यहां जेएस फर्म करीब 500 एकड़ पर ऑर्गेनिक खेती करती है। यहां के किसान राजेश पुनिया से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मौसम की मार से करीब 70-80 लाख के नुकसान का अनुमान है।

35 साल के कारोबारी की हार्ट-अटैक से मौत

मीडिया ऑडीटर, अंबिकापुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर के युवा बस कारोबारी की हार्ट अटैक से मौत हो गई। स्कूटी में बैठते समय अचानक हार्ट में दर्द हुआ, फिर नीचे गिर गया। इसका लाइव सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान इंद्रजीत सिंह बाबरा उर्फ सन्नी (35 साल) के रूप में हुई है, जो कि ओल्ड बाबरा बस के संचालक थे। शुक्रवार की शाम संगम चौक के पास अपनी स्कूटी स्टार्ट करने के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान उन्हें हार्ट अटैक आ गया। आसपास कई लोग मौजूद थे, लेकिन किसी ने उन पर ध्यान नहीं दिया।

हार्ट अटैक आने पर युवक के गिरने की घटना कैमरे में कैद हो गई है। जिसमें दिख रहा है कि, इंद्रजीत सिंह स्कूटी स्टार्ट कर रहे थे, तभी हार्ट अटैक आया और वे सड़क पर गिर पड़े। कुछ देर तक वो तड़पते रहे, फिर जान चली गई। उन्हें अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

हालांकि, उन्हें पहले से हार्ट की कोई प्रॉब्लम थी या नहीं, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। डॉक्टरों से जानकारी मिलने के बाद ही यह पता चल पाएगा। घटना के बाद से परिवार भी सदमे में हैं। वहीं, घटना सीसीटीवी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

भारत का पहला एआई डाटा सेंटर नवा रायपुर में बनेगा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। भारत का पहला एआई डेटा सेंटर पार्क नवा रायपुर में बनेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शनिवार को इसका भूमिपूजन किया। इस सेटर में 1 हजार करोड़ का इंवेस्टमेंट होगा। 2000 से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा। देश के पहले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित डेटा सेंटर पार्क की नींव नवा रायपुर के सेक्टर-22 में रख दी गई है। यह डेटा सेंटर पार्क 13.5 एकड़ में विकसित किया जा रहा है। इसमें 2.7 हेक्टेयर हिस्सा विशेष आर्थिक क्षेत्र (स्र्ध्रं) के रूप में विकसित होगा। रैक बैंक डेटा सेंटर्स प्राइवेट लिमिटेड इस सेंटर को डेवलप कर रहा है। पहले चरण में 5 मेगावाट क्षमता का सेंटर बनेगा।

इसे 150 मेगावाट तक एक्सपेंड किया जाएगा। भविष्य में इस प्रोजेक्ट में लगभग 2000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त निवेश आने की बात सरकार की ओर से कही गई है।

क्या होगा इस सेंटर में ?इ स सेंटर में स्टोरेज और प्रोसेसिंग की सुविधा उपलब्ध होगी, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हेल्थटेक, डिफेंस, फिनटेक और डेटा एनालिटिक्स जैसे सेक्टर में सेवाएं भी दी जाएंगी। पार्क में GPU आधारित हाई-एंड कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, रिकॉर्डिंग, लाइव डेटा स्ट्रीमिंग, औऱ द्ध प्रॉसेसिंग जैसी वर्ल्ड क्लास सुविधाएं होंगी।

इस प्रोजेक्ट में 500 लोगों को नौकरी मिलेगी। इनडायरेक्ट तौर पर 1500 लोगों को रोजगार मिलेगा। यहां हाई-एंड कंप्यूटिंग, लाइव डेटा स्ट्रीमिंग, एआई प्रोसेसिंग और डेटा एनालिटिक्स जैसी सुविधाएं मिलेंगी। इसका असर हेल्थटेक, फिनटेक, स्मार्ट एग्रीकल्चर और रक्षा क्षेत्र में बड़े बदलावों के रूप में दिखाई देगा।

छत्तीसगढ़ को क्या फायदा मिलेगा:

रोजगार- यह डाटा सेंटर पार्क आईटी, डाटा एनालिटिक्स, और तकनीकी रखरखाव जैसे क्षेत्रों में हजारों नौकरियां पैदा करेगा। छत्तीसगढ़ के युवा इस सेक्टर में करियर बनाना चाहें तो दिल्ली-मुंबई या बैंगलोर जाना होता है। अब रायपुर में ही इस सेक्टर में काम हो सकेगा।

किसानों की मदद: एआई तकनीक से किसानों को स्मार्ट खेती, मौसम की सटीक जानकारी, और फसल प्रबंधन में मदद मिलेगी। इससे उनकी मेहनत का ज्यादा फल मिलेगा।

आदिवासियों को डिजिटल ताकत: दूरदराज के आदिवासी इलाकों में शिक्षा, स्वास्थ्य, और सरकारी सेवाएं डिजिटल रूप से आसानी से पहुंचेंगी।

आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़: यह पार्क राष्ट्रीय और वैश्विक डाटा ट्रैफिक को संभालेगा, जिससे सरकारी सेवाएं तेज होंगी और राज्य डिजिटल रूप से आत्मनिर्भर बनेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नई उद्योग नीति के कारण कम समय में ही देश विदेश से स्थापना के लिए उद्योग आ रहे हैं। हमारी कोशिश रहेगी कि इसी साल स्थापना दिवस पर डाटा सेंटर का लोकार्पण हो जाए। हम एक ऐसा छत्तीसग? बना रहे हैं, जहां के युवा सेमीकंडक्टर भी तैयार करेंगे और एआई सेवाएं भी देंगे।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट 10 मई से बंद

ग्रीष्मकालीन अवकाश में बैठेंगे वेकेशन जज, सिर्फ जरूरी केस की होगी सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में 10 मई से 8 जून तक समर वेकेशन घोषित किया गया है। अवकाश के दौरान केवल जरूरी मामलों की सुनवाई के लिए वेकेशन जज की व्यवस्था की गई है। अलग-अलग दिनों में ये जय केस की सुनवाई करेंगे।

हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल ज्यूडिशियल ने ग्रीष्मकालीन अवकाश की अधिसूचना जारी कर दी है। अब सीधे 9 जून सोमवार से हाईकोर्ट खुलेगा और सामान्य दिनों की तरह कामकाज शुरू होगा।

जारी अधिसूचना के मुताबिक, हाईकोर्ट में 12 मई से समर वेकेशन शुरू होगा लेकिन 10 मई को शनिवार अवकाश रहेगा। लिहाजा, 9 मई को लास्ट वर्किंग डेट रहेगा। हालांकि, समर वेकेशन के दौरान रजिस्ट्री विभाग खुले रहेंगे और नई याचिकाएं दायर की जा सकेंगी।

वेकेशन जज करेंगे जरूरी केस की सुनवाई: समर वेकेशन के दौरान मंगलवार और गुरुवार को वेकेशन जज बैठेंगे, जो जरूरी मामलों की सुनवाई करेंगे। किसी भी आपात स्थिति में अवकाशकालीन जज चीफ जस्टिस की मंजूरी पर सुनवाई की अवधि को किसी अन्य जज के साथ बदल सकते हैं।

अवकाशकालीन जज सुबह 10.30 बजे से डिवीजन बेंच में सुनवाई करेंगे। साथ ही आपातकालीन स्थिति में न्यायालयीन समय के बाद भी सुनवाई जारी रख सकते हैं। अगर समय मिला तो अवकाशकालीन जज डिवीजन बेंच के मामलों के पूरा होने के बाद सिंगल बेंच में भी सुनवाई करेंगे। ग्रीष्म अवकाश के दौरान रजिस्ट्री शनिवार, रविवार और छुट्टियों को छोड़कर रोज सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक खुली रहेंगी।

समर वेकेशन के दौरान कोर्ट में मामलों की सुनवाई ऐसे होगी: नई रिट, सिविल और आपराधिक मामलों में - अगर इनमें तुरंत सुनवाई चाहिए, तो इसके लिए एक खास आवेदन देना होगा। नए और पहले से लंबित जमानत मामलों में - इनमें तुरंत सुनवाई के लिए कोई अलग आवेदन देने की जरूरत नहीं है। ये सीधे ग्रीष्मावकाश में ही सुने जाएंगे। बाकी सभी लंबित मामलों में (जमानत के अलावा) - अगर इनकी सुनवाई छुट्टियों में करानी है, तो 'अर्जेंट हियरिंग' और 'ग्रीष्मावकाश में सुनवाई' के लिए आवेदन देना होगा। अगर कोई मामला छुट्टी के दौरान जज के सामने नहीं पहुंच पाया- तो उसे अगले अवकाशकालीन जज के सामने अलग से लिस्टेड किया जाएगा।

अवकाश के दौरान मंगलवार और गुरुवार को होगी सुनवाई: समर वेकेशन के दौरान हाईकोर्ट में वेकेशन जज की व्यवस्था की गई है, जो हर मंगलवार और गुरुवार को केस की सुनवाई करेंगे। इसके तहत 13, 15, 20, 22, 27 और 29 मई के साथ ही 3 और 5 जून को अवकाशकालीन बेंच में मामलों की सुनवाई होगी।

गृह मंत्री का फर्जी पीए बनकर बलौदाबाजार के रेत ठेकेदार को धमकाया

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री विजय शर्मा का निजी सहायक यानी पर्सनल असिस्टेंट बनकर रेत खदान के ठेकेदार को धमकाने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने रेत खदान के ठेकेदार को फोन कर अवैध रेत खनन का आरोप लगाया और कार्रवाई की धमकी दी थी। इसके बाद पुलिस ने कॉल ट्रेस

कर आरोपी पकड़ लिया।

प्राथमिक जांच में पता चला है कि आरोपी ने व्यक्तिगत दुश्मनी या दबाव बनाकर अवैध वसूली को लेकर रेत खदान संचालक को फोनकर धमकी दी होगी। फिलहाल आरोपी को हिरासत लेकर पूछताछ जारी है।

यह मामला गिधपुरी थाना क्षेत्र का है। घटना 30 अप्रैल की सुबह 11.38 बजे की है, जब दतरेंगी रेत खदान के ठेकेदार इंद्रजीत मिरी के मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉलर ने खुद को "नमन कुमार", गृह मंत्री का पीए बताया और कहा कि वह एचएम हाउस, रायपुर से बात कर रहा है। उसने ठेकेदार से कहा, तुम हाईवे से रेत की अवैध ढुलाई और रात में खनन करते हो। बाद में आरोपी ने ठेकेदार को धमकाते हुए उसके खिलाफ कार्रवाई की बात कही।

रायपुर-विशाखापट्टनम एक्सप्रेस-वे की डिप्टी सीएम ने जांची क्वालिटी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने शनिवार को अचानक भारतमाला प्रोजेक्ट में बन रहे एक्सप्रेस-वे का निरीक्षण किया। मंत्री ने अधिकारियों से प्रोजेक्ट और निर्माण की गुणवत्ता की जानकारी ली। इसी भारत माला प्रोजेक्ट के मुआवजा राशि में 43 करोड़ रुपए से ज्यादा की गड़बड़ी उजागर हुई है।

दरअसल, उप मुख्यमंत्री अरुण साव कांकेर दौरे पर निकले थे। इसी दौरान अचानक अभनपुर में साइट विजिट करने पहुंचे। इसके बाद वो ग्राम पंचायत भेलवाडीह के पास पहुंचे, जहां उन्होंने सड़क निर्माण के संबंध में पूछताछ की। अफसरों ने कहा कि, सभी पैरामीटर्स के अनुसार ही काम हो रहा है।

आपको बता दें कि, भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत रायपुर से विशाखापट्टनम तक 464 किमी लंबा 6 लेन एक्सप्रेसवे बन रहा है। इस हाईवे के बनने के बाद विशाखापट्टनम जाने में लंबी दूरी तय करनी नहीं पड़ेगी। हालांकि इसी प्रोजेक्ट के तहत 43 करोड़ के घोटाले की भी जांच चल रही है। अरुण साव ने निरीक्षण के बाद कहा कि, भारत सरकार की यह क्रांतिकारी परियोजना है। इसका लाभ प्रदेश की जनता को मिलेगा। साथ ही यह आर्थिक गलियारा के रूप में महत्वपूर्ण साबित होगा। इस एक्सप्रेस-वे के जरिए छत्तीसगढ़ से ओडिशा होते हुए आंध्र प्रदेश पहुंच सकेंगे। यह रायपुर को धमतरी, कांकेर, कोंडागांव, कोरापुट और सब्बावरम शहर से जोड़ेगा। यह एक्सप्रेसवे विशाखापट्टनम बंदरगाह तक बनाया जा रहा है।

ग्राम पिपरिया के लाल बहादुर को मिला प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ सरकार की "सुशासन तिहार-2025" पहल आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की नेतृत्व में चल रही इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं का लाभ तेजी से पहुंच रहा है। विकासखण्ड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम पिपरिया निवासी लाल बहादुर इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। उन्होंने 10 अप्रैल 2025 को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत अपना आवेदन सुशासन तिहार शिविर में प्रस्तुत किया था। शासन की तत्परता का परिचय देते हुए संबंधित विभाग द्वारा 27 अप्रैल को उनके घर का आवास प्लस सर्वेक्षण किया गया और महज दो दिन बाद, 29 अप्रैल को उनकी समस्या का निराकरण कर दिया गया।

लाल बहादुर ने समाधान मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा

"मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा शुरू की गई यह पहल बहुत ही सराहनीय है। इससे न सिर्फ हमें सरकार से जोड़ने का काम किया है, बल्कि मेरा खुद का पक्का मकान पाने का सपना अब साकार होने जा रहा है। मैं इसके लिए छत्तीसगढ़ शासन का आभार व्यक्त करता हूँ।"

सुशासन तिहार-2025 का उद्देश्य शासन को पारदर्शी बनाना, जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर लाना और आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। यह कार्यक्रम तीन चरणों में आयोजित हो रहा है। जिसका प्रथम चरण 08 अप्रैल से 11 अप्रैल 2025 तक आवेदन प्राप्त करना, जो अब समाप्त हो चुका है। द्वितीय चरण 1 माह आवेदनों का निराकरण, जो वर्तमान में चल रहा है। तृतीय चरण 05 मई से 31 मई 2025 तक समाधान शिविरों का आयोजन जहां आम जनता, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों से सीधा संवाद स्थापित किया जाएगा। यह पहल न केवल ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं से जोड़ रही है, बल्कि आमजन में शासन के प्रति विश्वास और भागीदारी की भावना को भी मजबूत कर रही है। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले सहित राज्य के अन्य क्षेत्रों में भी "सुशासन तिहार" के सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं।

कलेक्टर की अध्यक्षता में युक्तियुक्तकरण की बैठक सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शालाओं एवं शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किये जाने सम्पूर्ण प्रक्रिया को समय-सीमा में पूर्ण किये जाने हेतु कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में जिला स्तरीय एवं ब्लॉक स्तरीय समिति के सदस्यों की बैठक आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गयी। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा राज्य शासन द्वारा जारी युक्तियुक्तकरण के समस्त निर्देशों की जानकारी दी गई तथा कलेक्टर द्वारा समय-सीमा में इस कार्य को पूर्ण करने हेतु सभी निर्देशित किया गया।

एक ही परिसर में संचालित शालाओं का युक्तियुक्तकरण : एक ही परिसर में संचालित प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक एवं हाईस्कूल का युक्तियुक्तकरण. एक ही परिसर में संचालित प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक, हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी विद्यालयों का युक्तियुक्तकरण एक ही परिसर में संचालित हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी विद्यार्थियों का युक्तियुक्तकरण किया जाना है।

शालाओं के युक्तियुक्तकरण के मापदंड : ग्रामीण क्षेत्र हेतु ऐसे विद्यालय जिनकी दूरी 01 कि.मी. से कम तथा दर्ज संख्या 10 से कम, शहरी क्षेत्र हेतु ऐसे विद्यालय जिनकी दूरी 500 मीटर से कम तथा दर्ज संख्या 30 से कम, नक्सल प्रभावित क्षेत्र एवं दूरस्थ वनांचल के विद्यालयों के युक्तियुक्तकरण पर विचार हेतु कलेक्टर का विवेकाधिकार है।

समिति गठन : विकासखण्ड स्तरीय समिति- अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व),अध्यक्ष विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी - सदस्य सचिव सहा.वि.खं. शिक्षा अधिकारी- सदस्य, वि.ख. स्त्रोत समन्वयक सदस्य 'परियोजना अधिकारी, महिला बाल विकास सदस्य।

विकासखण्ड स्तरीय समिति के दायित्व- शालाओं का चिन्हांकन एवं उसे सूचीबद्ध करना, अतिशेष शिक्षकों का चिन्हांकन एवं सूचीबद्ध करना, रिक्त पदों की शालावार सूची बनाना, सूचियों का जिला स्तरीय समिति को प्रेषण, अतिशेष शिक्षकों के चिन्हांकन का प्रमाण पत्र देना, रिक्त पदों को शामिल करने का प्रमाण पत्र देना।

जिला स्तरीय समिति - जिला कलेक्टर-अध्यक्ष, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, सदस्य, जिला मुख्यालय के आयुक्त, नगर निगम सदस्य, मुख्य नगरपालिका अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी सदस्य सचिव, जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं जिला महिला बाल विकास अधिकारी सदस्य, जिला स्तरीय समिति के दायित्व- विकासखण्ड स्तरीय समिति से प्राप्त शालाओं की सूची का परीक्षण, परीक्षण उपरांत विद्यालयों की सूची संचालक, लोक शिक्षण को प्रेषण, विकासखण्ड स्तरीय समिति से प्राप्त अतिशेष शिक्षकों की सूची का परीक्षण एवं पदस्थापना आदेश जारी करना, जिले में शिक्षक युक्तियुक्तकरण के पश्चात् रिक्त पद न होने की स्थिति में शेष अतिशेष शिक्षकों की सूची संभागीय संयुक्त संचालक को प्रेषित करना, अतिशेष व्याख्याता जिनका समायोजन जिला एवं संभाग स्तर पर नहीं हो पा रहा है उसकी सूची संभागीय संयुक्त संचालक द्वारा संचालक, लोक शिक्षण को प्रेषित करना।

बैठक में एसडीएम लिंगराज सिदार, जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा, महिला बाल विकास अधिकारी आर. के. खाती, नगर पालिका सीएमओ श्रीमती मुक्ता सिंह, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी सुरेन्द्र जायसवाल, बलबिन्दर सिंह, इस्माइल खान, एबीओ वीरेन्द्र पाण्डेय, विजय पाण्डेय, सुदर्शन पैकरा, सुन्दरम कैवर्त्त, ओमशंकर सिंह, देवेन्द्र गुप्ता, परियोजना अधिकारी श्रीमती शशि जायसवाल, सुश्री निर्मला बरवा, सुश्री अंजली सोनी उपस्थित रही।

5 छात्राओं के साथ रेप का मामला

राष्ट्रीय महिला आयोग की जांच समिति पहुंची भोपाल, जांच अधिकारी से की मुलाकात

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। भोपाल में आरोपियों ने पहचान बदलकर पांच छात्राओं के साथ दुष्कर्म किया था और उन्हें ब्लैकमैल करके अन्य छात्राओं से मिलवाने के लिए मजबूर किया था। इस मामले को लेकर महिला आयोग की जांच समिति भोपाल पहुंची है। मध्य प्रदेश के भोपाल में छात्राओं से दुष्कर्म मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग की जांच समिति भोपाल पहुंच गई है। समिति के सदस्यों ने जांच अधिकारी से मुलाकात की है। भोपाल के एक कॉलेज में कुछ छात्रों ने अपनी पहचान छिपाकर कई छात्राओं को झूठे प्यार में फंसाया और उनके साथ दुष्कर्म किया। आरोपियों ने दुष्कर्म का वीडियो बनाकर पीड़ति छात्राओं को ब्लैकमेल किया और पीड़ति छात्राओं को अन्य छात्राओं से मिलवाने के लिए भी मजबूर किया। महिला आयोग की तरफ से बताया गया कि मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की। यह जांच समिति अपनी जांच के लिए भोपाल पहुंच गई है। रविवार को यह जांच समिति पीड़ति छात्राओं, उनके परिजनों और संबंधित अधिकारियों से मिलकर घटना में की गई कार्रवाई की जानकारी लेगी।

जांच समिति में दो महिलाएं: जांच समिति के तीनों सदस्य निर्मल कौर (सेवानिवृत आईपीएस अधिकारी, पूर्व डीजीपी, झारखंड), निर्मला नायक (अधिवक्ता, जबलपुर उच्च न्यायालय) और आशुतोष पांडेय (अवर सचिव, राष्ट्रीय महिला आयोग) ने इस मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी से मुलाकात की तथा मामले की जमीनी वास्तविकता को समझने का प्रयास किया। रविवार को यह जांच समिति घटना से जुड़ी कार्रवाई की जानकारी लेने के लिए पीड़ति छात्राओं, उनके परिवारजनों और संबन्धित अधिकारियों से मुलाकात करेगी। सभी पक्षों से बातचीत के आधार पर समिति अपनी रिपोर्ट में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए जरूरी सुझाव देगी। आयोग यह सुनिश्चित करेगा कि पीड़ताओं को न्याय मिले और दोषियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाए।

क्या है मामला? भोपाल के एक प्राइवेट कॉलेज में आरोपी फरहान पढ़ता था, जहां रेप पीड़िताएं भी पढ़ती हैं। आरोपी अपने कुछ दोस्तों के साथ मिलकर हिंदू लड़कियों को फंसाता था और उनका रेप करता था। फिर वीडियो बनाकर ब्लैकमेल भी करता था। पीड़िताओं के शिकायत के बाद पुलिस ने उसे और उसके दोस्तों को गिरफ्तार कर लिया और मामले की जांच में जुटी हुई है। कॉलेज में उसके गैंग के मुस्लिम साथी सिर्फ हिंदू लड़कियों को ही टारगेट करते थे। उन्हें दोस्ती के जाल में फंसा नशीला पदार्थ पिलाकर न केवल उनके साथ रेप किया जाता था बल्कि इस दौरान उनके वीडियो भी बनाए जाते थे। फरहान ने पूछताछ में बताया कि हिंदू लड़कियों के साथ रेप कर उसने सबाब यानी पुण्य का काम किया है।

बीजेपी प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा पंचतत्व में विलीन

अमेरिका से बेटी के लौटने के बाद हुआ अंतिम संस्कार

मीडिया ऑडीटर, इंदौर (निप्र)। भाजपा की मध्य प्रदेश इकाई के प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा का अंतिम संस्कार शुक्रवार सुबह 11 बजे इंदौर के रीजनल पार्क मुक्तिधाम में हुआ। सलूजा को उनके बेटे मीत ने मुखाग्नि दी। 52 वर्षीय सलूजा का बुधवार (30 अप्रैल) को कार्डियक अरेस्ट से निधन हो गया था। लेकिन उनकी बेटी अमेरिका में पढ़ाई कर रही है और उसकी वापसी में समय लगने के कारण अंतिम संस्कार शुर वार को किया गया।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज दिवंगत प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा के इंदौर स्थित घर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सीएम मोहन, सलूजा के रानीबाग स्थित घर पहुंचे और उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद उनके शोकसंतप्त परिजनों को ढांढस बंधाया। यादव ने कहा,''सलूजा सिद्धांतों की राजनीति करते थे। वह पूरी निष्ठा के साथ भाजपा के लिए काम करते थे। उनके निधन से हम स्तब्ध हैं।''

सलूजा के निधन पर सूबे के मुख्यमंत्री मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ समेत भाजपा और कांग्रेस के कई दिग्गज नेताओं ने शोक जताया है।

शादी समारोह से लौटने के बाद बिगड़ी तबीयत: भाजपा पदाधिकारी ने बताया कि सलूजा भोपाल के पास सीहोर में मंगलवार को एक शादी समारोह में शामिल हुए थे और बुधवार को ही इंदौर स्थित घर लौटे थे। घर पहुंचने के बाद खाना खाकर आराम करने गए, लेकिन कुछ देर बाद घबराहट और उल्टी शुरू हो गई। परिवार उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर गया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सलूजा के शोक में डूबे उनके परिवार में प%ी, एक बेटा और एक बेटी हैं।

कांग्रेस छोड़ भाजपा में हुए थे शामिल: सलूजा ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत कांग्रेस से की थी, लेकिन 2022 में वह पाला बदल कर भाजपा में शामिल हो गए थे। यह घटनार म उस वक्त हुआ था, जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अगुवाई में पार्टी की "भारत जोड़ो यात्रा" मध्यप्रदेश से गुजर रही थी।

एमपी के कई जिलों में आंधी-बारिश, ओले गिरे, भोपाल में धूल भरी आंधी

शहडोल में बिजली गिरने से बच्ची की मौत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश में शनिवार को फिर अचानक मौसम बदल गया। कई जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश हुई। भोपाल में शाम को धूल भरी आंधी चली। इसी के साथ शहर के कई इलाकों में बूंदाबांदी हुई। टीकमगढ़ में तो दिन में अंधेरा छा गया। यहां दोपहर करीब 3 बजे बाद अचानक तेज आंधी चली। इसके साथ ही बारिश होने लगी। इससे कई जगहों पर पेड़ गिर गए।

नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव में भी तेज हवाओं के साथ बारिश हुई और ओले गिरे। विदिशा जिले के गंजबासौदा में करीब आधे घंटे से ज्यादा समय तक आंधी चली। इसके साथ ही हल्की बारिश भी हुई।

इटारसी में शाम को धूल भरी आंधी चली। जिसके बाद कई इलाकों की बिजली सप्लाई बंद कर दी गई। पन्ना में भी तेज आंधी के साथ बारिश हुई। यहां गेहूं खरीदी केंद्रों पर बाहर रखा गेहूं भीग गया। राजगढ़ जिले में भी कई क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। खिलचीपुर में करीब आधे घंटे तक पानी गिरा।

छिंदवाड़ा और सिवनी में दोपहर 12 बजे के बाद तेज पानी गिरा। नर्मदापुरम में सुबह बूंदाबांदी हुई। श्योपुर में तो बारिश के साथ करीब 15 मिनट तक ओले गिरे। अशोकनगर और शिवपुरी में भी तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हुई।

बिजली गिरने से बच्ची की गई जान, लू लगने से शख्स की मौत: शहडोल में सोहागपुर थाना क्षेत्र के सेमरिया गांव में 12 साल की नंदिनी बैगा की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। नंदिनी अपने नाना-नानी के घर रह रही थी। वह बारिश शुरू होने पर घर के बाहर सूख रहे कपड़े समेटने गई थी। तभी उस पर बिजली गिर गई। अशोकनगर के नईसराय थाना क्षेत्र के डुंगासरा गांव में बिजली गिरने से बरगद के पेड़ के नीचे बैठी 58 बकरियों की मौत हो गई। इधर, खंडवा में एक शख्स की लू लगने से मौत हो गई।

अगले तीन दिन तक ऐसा ही मौसम रहेगा: सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, साइक्लोनिक सकुर्लेशन (चर वात) और वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के एक्टिव होने से मध्यप्रदेश में ओले-बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग के अनुसार 6 मई तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा।

सौरभ बनकर अरबाज ने किया दुष्कर्म, दमोह में लड़की पर धर्म परिवर्तन के लिए भी दबाव बनाया, आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, दमोह (निप्र)। दमोह में धर्म छिपाकर दुष्कर्म किए जाने का एक और मामला सामने आया है। यहां अरबाज नाम के युवक ने सौरभ नाम बताकर लड़की से दोस्ती की। उसे प्रेम जाल में फंसाकर इंदौर ले गया और होटल में रेप किया। इसके बाद शादी का झांसा देकर कई बार दुष्कर्म किया। शादी की बात की, तो धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया। ऐसा नहीं करने पर जाने से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है।

युवती ने शुक्रवार को दमोह एसपी से शिकायत की। इसमें बताया कि 2019 में उसकी उम्र 16 साल थी, तब आरोपी अरबाज खान निवासी गढ़ी मोहल्ला से दोस्ती हुई। उस वक्त उसने अपना नाम सौरभ बताया था। शादी का झांसा देकर कई बार दुष्कर्म किया। विश्वास दिलाने के लिए वह मंदिरों में भी ले गया। एक बार बीमार होने पर इंदौर ले जाकर एक कमरे में शारीरिक शोषण किया।

शादी का कहने पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया: जब युवती ने शादी की बात की, तो आरोपी ने धर्म परिवर्तन की शर्त रखी। उसने कहा कि शादी के लिए इस्लाम कबूल करना होगा। साथ ही बुर्का पहनने और नमाज पढ़ने की बात कही। युवती के मना करने पर उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। सीएसपी अभिषेक तिवारी के अनुसार शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया है। विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष अंजू खत्री ने इस घटना की तुलना द केरला स्टोरी से की है।

एक दिन पहले सामने आया ऐसा ही मामला: बता दें कि दो दिन पहले गुरुवार को दमोह में पन्ना जिले के गुन्नौर निवासी एक युवक इसराइल खान को पकड़ा गया था, जो अपने किसी दोस्त शिवा शर्मा के नाम के आधार कार्ड पर युवती के साथ दमोह की एवरेस्ट लॉज में रुका हुआ था। हिंदू संगठन के लोगों को खबर मिली तो उन्होंने आरोपी को पड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

उसके खिलाफ भी धोखाधड़ी की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। ऐसा इसलिए क्योंकि युवती की तरफ से कोई शिकायत पुलिस में नहीं की गई थी। मामले में पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया और उसके रिमांड मांगी। वहीं दूसरी तरफ भोपाल एटीएस भी इसराइल खान से पूछताछ करने के लिए दमोह पहुंची। इसे भोपाल में हुए घटनाक्रम से जोड़कर देखा जा रहा है। अब यदि आवश्यकता होगी, तो भोपाल एटीएस आरोपी को रिमांड पर लेकर भोपाल ले जाएगी। वहां पूछताछ करेगी।

दमोह में डॉक्टर के घर पर हिंदू विरोधी स्लोगन

मीडिया ऑडीटर, दमोह (निप्र)। मध्य प्रदेश के दमोह जिले के बमनपुरा गांव में एक चिकित्सक के घर पर हिंदू विरोधी स्लोगन लिखे जाने का मामला सामने आया है। पटेरा थाना क्षेत्र में स्थित डॉक्टर रफीक के घर की दीवार पर 29 अप्रैल की रात को कुछ लोगों ने आपत्तिजनक बातें लिख दीं।

डॉक्टर रफीक हिंडोरिया में अपना क्लीनिक चलाते हैं। घटना के समय वे हिंडोरिया में थे। अगली सुबह जब वे बमनपुरा स्थित अपने घर पहुंचे, तो दीवार पर विवादित लिखावट देखकर उन्होंने तत्काल पटेरा थाने में शिकायत दर्ज कराई।

हटा एसडीओपी प्रशांत सुमन के अनुसार पुलिस मामले की जांच कर रही है। शिकायतकर्ता से पूछताछ की जा रही है। अभी तक स्लोगन लिखने वालों की पहचान नहीं हो पाई है। सुबह जब ग्रामीणों को इस घटना की जानकारी मिली तो गांव में तनाव उत्पन्न हो गया। हालांकि, मकान मालिक द्वारा पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की सूचना के बाद स्थिति सामान्य हो गई। पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर गांव में अतिरिक्त बल तैनात किया है। ग्रामीणों से शांति बनाए रखने की अपील की है। पुलिस ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

एकता कपूर बोलीं-स्पेन की तरह एमपी पहली पसंद बनेगा

मुंबई में चल रहे वेव्स में बताई खूबियां; फिल्मों की शूटिंग कितनी आसान

मीडिया ऑडीटर, मुंबई (निप्र)। वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) 2025 में शनिवार का दिन मध्यप्रदेश के लिए खास रहा। मुंबई के नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र में 'डिजिटल सपनों और सिनेमाई दृष्टिकोण के साथ मध्यप्रदेश-अगला रचनात्मक केंद्र' विषय पर एक पैनल डिस्कशन हुआ। इस सत्र ने देश के रि एटिव और डिजिटल उद्योग से जुड़े शीर्ष विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर प्रदेश को एवीजीसी-एक्सआर (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी) का राष्ट्रीय हब बनाने की दिशा में विचार-विमर्श को मजबूती प्रदान की।

चर्चा में मध्यप्रदेश के आईटी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे, पर्यटन एवं संस्कृति प्रमुख सचिव शिवशेखर शुक्ला, प्रसिद्ध फिल्म निर्माता और निर्देशिका एकता कपूर, फिक्की एवीजीसी फोरम व एमसीसीआईए एनिमेशन एंड गेमिंग कमेटी के चेयरमैन आशीष एस. कुलकर्णी, अगस्त मीडिया ग्रुप के फाउंडर एवं सीईओ ज्योर्तिमय सहा, रि एटिव लैंड स्टूडियोज की सीईओ शोभा सेंट शामिल रहे।

सत्र का संचालन लेखक नमन रामचंद्रन ने किया। अभिनेता अमित सियाल और शरद केलकर के साथ सभी विशेषज्ञों ने मध्यप्रदेश फिल्म पर्यटन नीति 2025 और मध्यप्रदेश एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी ङ्कत्नष्ट-ङ्गर नीति 2025 को रिलॉन्च किया। साथ ही प्रदेश के फिल्म फैसिलिटेशन पोर्टल के सेकेंड फेस को लॉन्च किया।

डायरेक्टर ने फिल्म पॉलिसी का जिक्र किया: फिल्म निर्माता और निर्देशिका कपूर ने कहा, फिल्म निर्माण के लिए मुख्य रूप से वित्तीय सहायता, छूट, सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम, मनभावन लोकेशन और ईज ऑफ शूट को ध्यान में रखा जाता है। इन सभी चीजों के साथ मध्यप्रदेश में समृद्ध संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत आज भी अपने मूल रूप में है। स्पेन ने अपनी पॉलिसी से अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय फिल्म निर्माताओं को आकर्षित किया है। अब तय है कि स्पेन की तरह ही मध्यप्रदेश भी फिल्म निर्माताओं की पहली पसंद बनेगा।

इसलिए बनाई एमपी में नीति: सत्र के दौरान अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने कहा कि फिल्म निर्माण के दौरान फिल्म शूटिंग के अलावा उसका प्री प्रोडक्शन और पोस्ट प्रोडक्शन भी महत्वपूर्ण कार्य होता है। इसे ध्यान में रखकर मध्यप्रदेश की ङ्कत्नष्ट-ङ्गर नीति 2025 का निर्माण किया गया है। फिल्म पर्यटन नीति और ङ्कत्नष्ट-ङ्गर नीति में से किसी भी एक नीति में अप्लाई कर दोनों नीतियों का लाभ लिया जा सकता है। इसलिए अब फिल्म निर्माता फिल्म शूटिंग के अलावा उसका प्री-प्रोडक्शन और पोस्ट प्रोडक्शन का कार्य भी एमपी में ही कर सकते हैं।

प्रमुख सचिव ने दी सिंगल विंडो की जानकारी: पर्यटन एवं संस्कृति के प्रमुख सचिव शुक्ला ने कहा कि प्रदेश में फिल्म और वेब सीरीज की श्रृंखला को शूट करने पर इन्र ीमेंटल इनसेंटिव्स का प्रावधान है। पहली बार शूट करने पर अधिकतम 1.5 करोड़ रुपए, दूसरी बार शूट करने पर 1.75 करोड़ रुपए और इसी तरफ तीसरी बार शूट करने पर 2 करोड़ रुपए तक की सहायता दी जाती है। इसके साथ ही स्थानीय भाषा में फिल्म बनाने और स्थानीय कलाकारों को काम देने पर अतिरिक्त सहायता राशि प्रदान की जाती है। अपनी विशेष सहायता राशि, सिंगल विंडो फिल्म शूटिंग अनुमति, स्थानीय टैलेंट के साथ मध्यप्रदेश अब शूटिंग के हब मुंबई को रन फॉर मनी देने के लिए तैयार है।

फिक्क ी एवीजीसी फोरम व एमसीसीआईए एनिमेशन एंड गेमिंग कमेटी के चेयरमैन कुलकर्णी ने कहा कि देश में मेट्रो सिटी की तुलना में मध्यप्रदेश के भोपाल और इंदौर में अधोसंरचना निर्माण, सर्विस और आर्टिस्ट कॉस्ट बहुत कम है। इसका फायदा मध्यप्रदेश में फिल्म और ङ्कत्नष्ट क्षेत्र को मिलेगा।

एमपी में मल्टीपल सीन और विजुअल: क्रिएटिव लैंड स्टूडियोज़ की सीईओ सेंट ने कहा, मध्यप्रदेश देश का एकमात्र प्रदेश है, जहां मल्टीपल सीन और विजुअल है। आज तक किसी फिल्म मेकर से प्रदेश में शूटिंग संबंधी कोई शिकायत नहीं मिली है। जो एक बार मध्यप्रदेश से शूट कर के गया वो दोबारा प्रदेश ही आया है। अभी हाल में ही ऑट्रेलियन प्रोडक्शन हाउस ने भारत में शूट के लिए मध्यप्रदेश की लोकेशंस को अपनी पहली पसंद बताया है।

एवीजीसी-एक्सआर सेक्टर के विकास पर हुआ मंथन: पैनलिस्टों ने एवीजीसी-एक्सआर क्षेत्र में तकनीकी विकास, स्किल डेवलपमेंट, निवेश अवसरों और कंटेंट निर्माण की बढ़ती संभावनाओं पर प्रकाश डाला। यह पैनल डिस्कशन न केवल मध्यप्रदेश के लिए, बल्कि समूचे देश के एवीजीसी-एक्सआर सेक्टर के लिए एक दिशा-दर्शी संवाद हुआ।

महिला क्रिकेट में ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों के लिए नो एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने एक बड़ा फैसला लेते हुए ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों को महिला और लड़कियों के क्रिकेट मैचों में भाग लेने से रोक दिया। ये निर्णय फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा इसी तरह का कदम उठाने के 24 घंटे से भी कम समय में आया है। ईसीबी ने अपने बयान में कहा कि ये बदलाव हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अपडेटेड कानूनी स्थिति को देखते हुए किया गया है, जिसमें स्पष्ट किया गया कि कानूनी रूप से महिलाओं की परिभाषा में ट्रांसजेंडर शामिल नहीं हैं।

ईसीबी के बयान के अनुसार तत्काल प्रभाव से केवल वे खिलाड़ी जिनका जैविक लिंग महिला है, वे महिला और लड़कियों के क्रिकेट मैचों में खेलने के लिए पात्र होंगी। ट्रांसजेंडर महिलाएं और लड़कियां ओपन और मिक्स्ड क्रिकेट में खेलना जारी रख सकती हैं।

ईसीबी ने कहा कि वह खेल में समावेशिता के पक्ष में है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने उन्हें महिला और लड़कियों के क्रिकेट के लिए नए नियम बनाने के लिए प्रेरित किया है। बोर्ड ने अपने बयान में आगे कहा कि, हमारे रिक्रिएशनल क्रिकेट के नियम हमेशा से ये सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए हैं कि क्रिकेट एक समावेशी खेल बना रहे। इनमें लिंग की परवाह किए बिना असमानताओं को प्रबंधित करने और सभी खिलाड़ियों के खेल के आनंद को सुरक्षित रखने के उपाय शामिल थे।

आईपीएल-आरसीबी ने शानदार बल्लेबाजी-फील्डिंग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम अब तक कई बार आईपीएल फाइनल खेल चुकी है लेकिन खिताब नहीं जीत सकी। इस साल उनका प्रदर्शन अच्छा रहा, लेकिन पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा है कि आरसीबी ने इस सीजन में शानदार खेल खेला है और इस बार वे इस ट्रॉफी अपने नाम कर सकती है। उन्होंने कहा कि आरसीबी ने शानदार बल्लेबाजी और फील्डिंग की है। मुंबई इंडियंस भी करीब हैं, लेकिन उन्होंने अभी-अभी अपनी बढ़त बढ़ानी शुरू की है। सवाल यह है कि क्या वे इसे बनाए रखेंगे, क्योंकि उनके सामने तीन कठिन मैच हैं। मुंबई टीम उस गति को कैसे बनाए रखते हैं, यह अहम होगा, लेकिन आरसीबी खिताब के प्रबल दावेदार है।

साई सुदर्शन ने सूर्यकुमार से छीनी ऑरेंज कैप

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में ऑरेंज कैप को लेकर खिलाड़ियों के बीच घमासान देखने को मिल रहा है। वहीं अब साई सुदर्शन ने एक बार फिर ऑरेंज कैप कब्जा ली है, उन्होंने मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव को पीछे छोड़ दिया है। सनराइजर्स के खिलाफ मैच में सुदर्शन ने 20 रन बनाते ही सूर्यकुमार यादव को पछाड़ दिया है। बताते चलें कि ऑरेंज कैप की दौड़ में गुजरात टाइटंस का ये बल्लेबाज विराट कोहली से भी काफी आगे निकल गया है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच से पूर्व आईपीएल 2025 में साई सुदर्शन ने 9 पारियों में 456 रन बना लिए थे। वहीं सूर्यकुमार यादव 475 रनों के साथ टॉप पर विराजमान थे, इसलिए हैदराबाद के खिलाफ मैच में उन्होंने 20 रन बनाते ही सूर्या को पछाड़ दिया है।

विराट कोहली भी ऑरेंज कैप की रेस में साई सुदर्शन से काफी पीछे छूट गए हैं। विराट अब तक 10 पारियों में 443 रन बना चुके हैं। विराट को अगर ऑरेंज कैप पर कब्जा जमाना है तो उन्हें काफी कड़ी मशक्कत करनी पड़ी सकती है क्योंकि विराट जितनी पारियां में सुदर्शन ने उनसे रनों का काफी बड़ा अंतर बना लिया है। आईपीएल 2025 में साई सुदर्शन 400 रन का आंकड़ा छूने वाले खिलाड़ी बने थे।

श्रीसंत पर केसीए ने लगाया 3 साल के लिए प्रतिबंध

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल क्रिकेट संघ ने अपने खिलाफ कथित तौर पर झूठे और अपमानजनक टिप्पणी को लेकर पूर्व तेज गेंदबाज एस श्रीसंत पर कार्रवाई की है। संघ ने उन पर 3 साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम से संजू सैमसन के बाहर रहने को लेकर हुए विवाद के सिलसिले में श्रीसंत पर केसीए के खिलाफ झूठे और अपमानजनक बयान देने का आरोप लगा है।

केसीए ने एक बयान में कहा कि, ये फैसला 30 अप्रैल को कोच्चि में उसकी आमसभा की विशेष बैठक में लिया गया। श्रीसंत इस समय केरल क्रिकेट टीम में कोल्लम एरीस टीम के सह मालिक हैं। इससे पहले उनके विवादित बयान के सिलसिले में श्रीसंत, कोल्लम टीम, अलपुझा टीम लीड और अलपुझा रिपल्स को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। बयान में कहा गया कि, फ्रेंचाइजी टीमों ने नोटिस का संतोषजनक जवाब दे दिया लिहाजा उनके खिलाफ आगे कोई कार्रवाई नहीं की गई है। लेकिन बैठक में तय किया गया कि टीम प्रबंधन के सदस्यों की नियुक्ति के समय काफी एहतियात बरतने की सलाह दी जाएगी। इसमें ये भी कहा गया है कि, संजू सैमसन के पिता सैमसन विश्वनाथ और दो अन्य के खिलाफ संजू सैमसन का नाम लेकर बेबुनियाद आरोप लगाने के लिए मुआवजे का दावा किया जाएगा। केसीए ने दो बार के विश्व विजेता श्रीसंत को एक मलयालम टीवी चैनल पर परिचर्चा के दौरान सैमसन और केसीए से जुड़ी टिप्पणियों के कारण नोटिस जारी किया।

36 वर्षीय अजिंक्य रहाणे को अभी भी टीम इंडिया में चुने जाने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौजूदा समय में आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी निभा रहे अजिंक्य रहाणे ने टीम इंडिया के लिए दोबारा खेलने की इच्छा जताई है। शुक्रवार को उन्होंने कहा कि पिछले दो साल से राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के बावजूद भारत की तरफ से खेलने के उनकी इच्छा और भूख पहले की तरह बरकरार है। बता दें कि, 36 वर्षीय खिलाड़ी ने आखिरी टेस्ट मैच 2023 में खेला था और वह करीब एक दशक से सीमित ओवरों की टीम से बाहर हैं लेकिन उन्होंने राष्ट्रीय टीम में वापसी को लेकर अभी हार नहीं मानी है। अजिंक्य रहाणे ने स्टार स्पोर्ट्स प्रेस रूम पर कहा कि, मैं फिर से भारतीय टीम में जगह बनाना चाहता हूं। मेरी इच्छा, भूख, जज्बा पहले की तरह बरकरार है। मैं अब भी पहले की तरह फिट हूं। मैं एक समय में केवल एक मैच पर ध्यान देना चाहता हूं और अभी भी मेरा ध्यान केवल आईपीएल पर है। इसके बाद देखते हैं कि भविष्य में क्या होता है।

उन्होंने कहा कि, मैं ऐसा व्यक्ति हूं जो कभी हार नहीं मानता। मैं हमेशा मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं। मैं मैदान पर 100 प्रतिशत से ज्यादा देता हूं। ये उन चीजों से जुड़ा है जो मेरे नियंत्रण में हैं।

शुभमन गिल नहीं थे आउट? मैदान पर अंपायर से भिड़ गए गुजरात के कप्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद के मैच में एक विवादित घटना घटी। दरअसल, शुभमन गिल को रन आउट दिया, थर्ड अंपायर द्वारा रन आउट दिए जाने पर गिल चौथे अंपायर से भिड़ गए। इसके बाद आशीष नेहरा को बीच बचाव करना पड़ा।

बता दें कि, घटना 13वें ओवर की आखिरी गेंद पर घटी। जीशान अंसारी गेंदबाजी कर रहे थे। जो बटलर ने शॉर्ट फाइन लेग की तरफ शॉट खेला। गिल और बटलर ने रन लेते के लिए अपना एंड चेंज किया। स्ट्राइकर एंड की तरफ हर्षल पटेल ने थ्रो किया और गेंद स्टंप्स पर जा लगी। हालांकि, इसी दौरान हेनरिक क्लासेन के दस्ताने भी विकेट के पासआए और समस्या खड़ी हो गई। मामला टीवी अंपायर के पास पहुंचा। टीवी अंपायर को काफी मशक्कत करनी पड़ी। काफी करीबी मामला था। गेंद और दस्ताने दोनों ही एक ही समय पर स्टंप्स के करीब थे। हालांकि, टीवी अंपायर इस निर्णय पर पहुंचे कि गेंद पहले लगी स्टंप्स पर और गिल को आउट करार दिया गया। दुर्भाग्यपूर्ण रूप से आउट हुए। मैदान से बाहर जाने के बाद गिल कभी नाराज दिखे और बाउंड्री के पास खड़े चौथे अंपायर से बहस करने लगे। इसके बाद गुजरात फ्रेंचाइजी के कोचिंग स्टाफ से आशीष नेहरा और विक्रम सोलंकी गिल के पास पहुंचे। दोनों मिलकर गिल को समझाया और मामला शांत करवाया।

शिवालिक शर्मा पर लगा दुष्कर्म का आरोप, मंगेतर ने कराया केस दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बड़ौदा के ऑलराउंडर और आईपीएल में मुंबई इंडियंस का हिस्सा रह चुके शिवालिक शर्मा पर दुष्कर्म जैसा गंभीर आरोप लगा है। उनके खिलाफ राजस्थान के जोधपुर में दुष्कर्म का केस दर्ज किया गया है। केस दर्ज होने के बाद पुलिस शिवालिक की गिरफ्तारी की प्लानिंग कर रही है। बता दें कि, शिवालिक शर्मा पर कुड़ी भगतासनी के सेक्टर दो में रहने वाली एक युवती ने संगीन आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई है।

पीड़ित युवती ने अपनी शिकायत के दौरान पुलिस को बताया कि वह फरवरी 2023 में गुजरात के वडोदरा घूमने गई थी, जहां उसकी मुलाकात शिवालिक शर्मा से हुई। उस मुकाबले के बाद से दोनों अच्छे दोस्त बन गए थे। धीरे-धीरे उनकी दोस्ती गहरी हो गई और फोन पर बातचीत के दौरान वे करीब आए।

इसके बाद दोनों ने अपने परिवार के अपने बारे में बताया। दोनों के परिजनों ने आपस में मुलाकात की और दोनों की सगाई कर दी। युवती का आरोप है कि सगाई के बाद जब शिवालिक जोधपुर आया तो उसने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। वे राजस्थान में कई जगहों पर घूमने भी गए, लेकिन अगस्त 2024 में उसे और उसके परिवार को बड़ौदा बुलाया गया, जहां शिवालिक के माता-पिता ने हम दोनों की शादी पर एतराज जताते हुए सगाई तोड़ दी।

सगाई टूटने के बाद युवती ने जोधपुर के कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड थाना में शिवालिक शर्मा के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। एसीपी आनंद सिंह राजपुरोहित ने बताया कि पीड़िता ने जोधपुर के कुड़ी थाने में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है।

अवनीत कौर की तस्वीर को पहले किया लाइक, ट्रोल होने के बाद विराट कोहली ने दी सफाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के आधिकारिक इंस्टा अकाउंट से एक्ट्रेस अवनीत कौर की तस्वीर लाइक होने के बाद से सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा हो रही है। अब विराट कोहली ने उस तस्वीर के लाइक होने पर सफाई पेश की है। उन्होंने शुक्रवार को एक स्टोरी पोस्ट करके कहा कि इंस्टाग्राम की एल्गोरिदम की वजह से फोटो लाइक हुई थी। इसके बीच कोई और कारण नहीं है। विराट कोहली ने अपने इंस्टाग्राम पर स्टोरी पोस्ट करके लिखा कि, मैं ये स्पष्ट करना चाहता हूं कि अपनी फीड साफ करते समय, ऐसा लगता है कि एल्गोरिथ्म ने गलती से कोई इंटरैक्शन रजिस्टर कर लिया है। इसके पीछे कोई इरादा नहीं था। मैं अनुरोध करता हूं कि कोई फालतू की धारणा न बनाई जाए। आपकी समझ के लिए धन्यवाद।

बता दें कि, एक्ट्रेस अवनीत कौर की एक तस्वीर पर सोशल मीडिया यूजर्स ने विराट कोहली का लाइक देखा था। इसके बाद से लोग उन्हें ट्रोल कर रहे थे, उन्हें लेकर तरह-तरह की बातें कर रहे थे जिसके बाद विराट कोहली ने आज सफाई दी है।

साई सुदर्शन ने सचिन तेंदुलकर को पछाड़ा, तोड़ दिया सबसे तेज दो हजार रन बनाने का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन का आईपीएल 2025 में अभी तक का सफर बेहतरीन रहा है। वह शानदार फॉर्म में हैं। शुक्रवार को आईपीएल 2025 के 51वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उन्होंने 48 रन की दमदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने टी20 क्रिकेट में दो हजार रन पूरे किए। साई ने टी20 क्रिकेट में सबसे तेज दो हजार रन बनाने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। जबकि भारत के लिए ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा है।

साई सुदर्शन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में 23 गेंद में 48 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 9 चौके लगाए। साई सुदर्शन ने 55वें टी20 मैच की 54वीं पारी में 2000 रन के आंकड़े को पार किया। ऑस्ट्रेलिया के शान मार्श ने सिर्फ 53 पारियों में टी20 क्रिकेट में दो हजार रन पूरे किए थे। ब्रैड हॉज, मार्कस ट्रेस्कोथिक और मुहम्मद वसीम ने 58 पारियों में कारनामा किया था। सचिन तेंदुलकर और डार्सी शार्ट ने 59 पारियों में ये उपलब्धि हासिल की।

जीटी के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन को टी20 क्रिकेट में दो हजार रन पूरे करने के लिए 32 रनों की जरूरत थी। उन्होंने हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में गुजरात की पारी के 5वें ओवर की दूसरी गेंद पर एक रन लेकर ये उपलब्धि हासिल की।

आईपीएल 2025 में साई सुदर्शन 500 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वह जारी सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। उन्होंने मुंबई के सूर्यकुमार यादव को पीछे छोड़ा। साई सुदर्शन ने 10 मैचों में 504 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 154.13 का रहा है। वह 55 चौके और 16 छक्के लगा चुके हैं।

बाबर आजम से लेकर मोहम्मद रिजवान तक के इंस्टाग्राम अकाउंट बैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमलों के बाद भारत में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सितारों के इंस्टाग्राम अकाउंट ब्लॉक कर दिए गए। बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन अफ़रीदी जैसे पाकिस्तानी क्रिकेटरों के अकाउंट भारत में लोकप्रिय अभिनेताओं और अभिनेत्रियों हनिया आमिर और अली फ़ज़ल के साथ-साथ ब्लॉक कर दिए गए। यहाँ तक कि ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम का इंस्टाग्राम अकाउंट भी गुरुवार को ब्लॉक कर दिया गया। इन सोशल मीडिया अकाउंट को ब्लॉक करने का फ़ैसला पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद लिया गया, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई थी – जो हाल के दिनों में घाटी में सबसे घातक हमलों में से एक था।

भारत से नदीम के इंस्टाग्राम पेज तक पहुँचने का प्रयास करने वाले उपयोगकर्ताओं को यह संदेश मिलता है- भारत में खाता उपलब्ध नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमने इस सामग्री को प्रतिबंधित करने के कानूनी अनुरोध का अनुपालन किया है। 22 अप्रैल को दक्षिण कश्मीर के लोकप्रिय पर्यटन शहर पहलगाम के पास एक घास के मैदान में आतंकवादियों द्वारा की गई गोलीबारी में 26 लोग मारे गए, जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे और कई घायल हो गए। तब से सरकार ने उन पाकिस्तानी सोशल मीडिया अकाउंट पर कार्रवाई की है, जिनके भारत में बड़ी संख्या में फ़ॉलोअर्स हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में, कई पाकिस्तानी चैनलों को भी भारत में भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील सामग्री, झूठे और भ्रामक कथन और भारत, उसकी सेना और सुरक्षा एजेंसियों के खिलाफ़ गलत सूचना प्रसारित करने के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर, बासित अली और शाहिद अफरीदी उन लोगों में शामिल हैं जिनके यूट्यूब अकाउंट को रोक दिया गया है। दिलचस्प बात यह है कि अब उनके यूट्यूब कंटेंट को एक्सेस नहीं किया जा सकता, लेकिन नदीम के विपरीत उनके इंस्टाग्राम अकाउंट उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री आज आएंगे रीवा, जिला न्यायालय भवन और सर्किट हाउस का करेंगे लोकार्पण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 4 मई को एक दिवसीय प्रवास पर रीवा आएंगे। मुख्यमंत्री सुबह 10.05 बजे भोपाल से वायुयान से प्रस्थान कर सुबह 10.40 बजे जबलपुर पहुंचकर स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री सुबह 11.50 बजे जबलपुर से वायुयान से प्रस्थान कर दोपहर 12.25 बजे एयरपोर्ट रीवा पहुंचेंगे। एयरपोर्ट से मुख्यमंत्री दोपहर 12.45 बजे जिला एवं सत्र न्यायालय के नवीन परिसर पहुंचकर नवनिर्मित भवन का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री दोपहर एक बजे से आयोजित मंचीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। उद्घाटन समारोह में सबसे पहले न्यायाधीश मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय संजय द्विवेदी स्वागत उद्बोधन देंगे। इसके बाद उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल का उद्बोधन होगा।

इसके बाद समारोह में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के प्रशासनिक न्यायाधीश संजीव सचदेवा उद्बोधन देंगे। इसके बाद समारोह में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सुदेश कुमार कैत का उद्बोधन होगा। इसके बाद उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश एससी शर्मा अपने विचार व्यक्त करेंगे। समारोह में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश जेके माहेश्वरी अपना उद्बोधन देंगे। इसके बाद उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश सूर्यकांत का उद्बोधन होगा। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव अपना उद्बोधन देंगे। समारोह में आभार प्रदर्शन मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश विशाल मिश्रा व्यक्त करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव दोपहर 2.45 बजे न्यायालय परिसर से प्रस्थान कर दोपहर 2.50 बजे सर्किट हाउस राजनिवास के नवीन खण्ड का विधिवत पूजन-अर्चन करके लोकार्पण करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री नवनिर्मित भवन का अवलोकन करेंगे। मुख्यमंत्री नवनिर्मित भवन के सभागार में दोपहर 3.15 बजे नगर निगम द्वारा तैयार किए गए माई रीवा सिटीजन ऐप का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री नवनिर्मित भवन में गणमान्य नागरिकों से संवाद कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 3.30 बजे राजनिवास से प्रस्थान कर दोपहर 3.45 बजे एयरपोर्ट रीवा पहुंचेंगे तथा वायुयान से ग्वालियर के लिए प्रस्थान करेंगे।

नवीन जिला न्यायालय परिसर में बनाए गए हैं तीन भवन

मुख्य भवन, सर्विस बिल्डिंग और बार बिल्डिंग की मिलेगी सौगात

40 कोर्ट रूम, कान्फ्रेंस हाल, 296 अधिवक्ताओं के कक्ष सहित अन्य हॉल, ऑफिस और रूम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 4 मई को नवीन जिला न्यायालय भवन का लोकार्पण करेंगे। नवीन जिला न्यायालय भवन विश्वविद्यालय मार्ग में रीवा इंजीनियरिंग कालेज के सामने बनाया गया है। मुख्य मार्ग से न्यायालय भवन की खूबसूरती देखते ही बनती है। इसके निर्माण के लिए मध्यप्रदेश विधि एवं विधायी कार्य विभाग द्वारा कुल 95.93 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई। न्यायालय भवन का लेआउट अक्टूबर 2017 में स्वीकृत किया गया। इसका आर्किटेक्चर मेसर्स डिजाइन एसोसियेट नई दिल्ली द्वारा तैयार किया गया। नवीन जिला न्यायालय परिसर में तीन भवन बनाए गए हैं। इनमें मुख्य भवन, सर्विस बिल्डिंग तथा बार बिल्डिंग शामिल हैं। इन तीनों भवनों की सौगात रीवा वासियों को मिलने जा रही है। नवीन जिला न्यायालय के तीनों भवनों का कुल क्षेत्रफल 35123.66 वर्ग मीटर है। जिसमें मुख्य भवन का क्षेत्रफल

18224.58 वर्ग मीटर, सर्विस बिल्डिंग का क्षेत्रफल 8439.54 वर्ग मीटर तथा बार बिल्डिंग का क्षेत्रफल भी 8439.54 वर्गमीटर है। नवीन न्यायालय के मुख्य भवन में 40 कोर्ट रूम, शासकीय कार्यालय, कान्फ्रेंस हाल, डिजास्टर कंट्रोल रूम, पब्लिक प्रोसिक्यूशन ऑफिस, डिस्ट्रिक्ट प्रोसिक्यूशन ऑफिस, फाइलिंग काउंटर, रिकार्ड रूम, जज लान्ज, कम्प्यूटर रूम, लाईब्रोरी, पैन्ट्री एवं कॉमन टायलेट की सुविधा है। नवीन न्यायालय के सर्विस बिल्डिंग में होल्डिंग सेल, पुलिस चौकी, पब्लिक प्रोसिक्यूटर, कॉमन रूम, रिकार्ड रूम, मेन ऑफिस, नाजिर ऑफिस, नजारत, एकाउंट ऑफिस, मालखाना कक्ष, स्टैटिक ऑफिस कक्ष, स्टेशनरी कक्ष, गवर्मेंट रीडर तथा लगभग 750 अधिवक्ताओं के लिए तीन नग हाल की सुविधा प्रदान की गई है। नवीन न्यायालय के बार बिल्डिंग में बैंक, पोस्ट ऑफिस, डिस्पेन्सरी बार, लाईब्रोरी, पिटिशन राइटर, कैंटीन, स्टोर रूम और अधिवक्ताओं के लिए 296 कक्ष बनाए गए हैं।

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री जी के दौरे की व्यवस्थाओं के लिए तैनात किए अधिकारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 4 मई को एक दिवसीय प्रवास पर रीवा आ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव नवनिर्मित न्यायालय भवन तथा राजनिवास सर्किट हाउस के नवीन खण्ड का लोकार्पण करेंगे। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने मुख्यमंत्री जी के दौरे की व्यवस्थाओं के लिए अधिकारी तैनात किए हैं। सर्किट हाउस के नवीन खण्ड के लोकार्पण की समस्त व्यवस्थाओं के लिए आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े को तैनात किया गया है। उनके सहयोग के लिए एसडीएम गुढ़ डॉ अनुराग तिवारी, एसडीएम मनगवां पीएस त्रिपाठी तथा अन्य अधिकारी तैनात किए गए हैं। नवीन न्यायालय भवन के लोकार्पण की समस्त व्यवस्थाओं के लिए अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी को प्रभारी बनाया गया है। कार्यक्रम में मंच तथा अन्य व्यवस्थाओं के लिए एसडीएम हुजूर वैशाली जैन एवं तहसीलदार हुजूर शिवशंकर शुक्ला को तैनात किया गया है। कार्यक्रम में बैठक व्यवस्था के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर को प्रभारी बनाया गया है। न्यायालय भवन के लोकार्पण में विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले, एसडीएम त्योंथर संजय जैन, एसडीएम जवा पीयूष भट्ट तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को तैनात किया गया है। एसडीएम सिरमौर आरके सिन्हा को रीवा एयरपोर्ट में तैनात किया गया है।

सतना में आग में दहेज का सामान जला, 15 लाख का नुकसान

दो भाइयों के घर में लगी आग, 5 मई को होनी है बेटी की शादी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के चित्रकूट थाना क्षेत्र के सेजवार गांव में शुक्रवार-शनिवार की रात एक बजे आग लगने से दो भाइयों के घर जलकर राख हो गई। माहेश्वरी यादव की बेटी की शादी 5 मई को होनी है। उनके और उनके भाई बसंत लाल के घर में रखा सारा सामान आग की चपेट में आ गया।

इस घटना में करीब 15 लाख रुपए की क्षति होने की बात बताई गई है। माहेश्वरी यादव ने बेटी की शादी के लिए जो दहेज का सामान जुटाया था, वह भी आग में जल गया। दोनों घरों में रखा गृहस्थी का पूरा सामान नष्ट हो गया। इस घटना से पूरा परिवार सदमे में है।

अब परिवार को चिंता सता रही है कि इतने कम समय में शादी की तैयारियां कैसे पूरी होंगी। बारात में आने वाले मेहमानों का स्वागत-सत्कार कैसे किया जाएगा, यह भी एक बड़ी चुनौती है। आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। हालांकि ग्रामीण परिवार की मदद के लिए आगे आए हैं।आगजनी की घटना के बाद शनिवार को सरपंच जयकरण यादव ने पंचायत की ओर से मूल्यांकन कर 15 लाख रुपए की क्षति होने का आवेदन पटवारी को दिया है। सरपंच ने बताया कि घर में भंडारित अनाज से ले कर गृहस्थी एवं बेटी की शादी का सामान जल गया है। यहां तक कि पहनने के कपड़े तक नहीं बचे है।

ग्रामीणों ने बढ़ाए मदद के लिए हाथ : सेजरवार में यादव परिवार के घर बेटी की शादी 5 मई को ही होगी। इसके लिए ग्रामीणों ने अपने हाथ बढ़ाए है। ग्रामीण शिवकुमार ने बताया कि कोई दहेज का सामान दे रहा है तो कोई बारातियों के लिए खाने पीने की व्यवस्था में जुट गया है। यह काम सिर्फ सेजरवार तक सीमित नहीं है। आसपास के कई गांव के लोग बेटी के विवाह के लिए आगे आए है। शनिवार को घर में मंडप पड़ना था। वो भी कार्य विधि विधान के साथ हो रहा है। इसी तरह 5 मई को बेटी का विवाह भी संपन्न होगा।

रात भर साथ में पी शराब, सुबह कर दी हत्या, आरोपी गिरफ्तार

मामूली कहासुनी में पड़ोसी ने मारा पत्थर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के नई बस्ती भल्ला डेयरी फार्म के पास शनिवार की सुबह एक व्यक्ति की हत्या हो गई। मृतक जमुना कोल और आरोपी दादू कोल रात भर साथ में शराब पी रहे थे। सुबह करीब 4 बजे दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। पुलिस ने आरोपी दादू कोल को गिरफ्तार कर लिया है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मृतक और आरोपी पड़ोसी हैं, शुक्रवार रात को दोनों एक साथ बैठकर शराब पी रहे थे। इस दौरान नशे की हालत में दोनों के बीच मामूली कहासुनी हो गई। जो बढ़ते-बढ़ते हाथापाई तक पहुंच गई। आरोपी दादू के हाथ पत्थर लगा और उसने जमुना के सिर पर दे मारा। जिससे उसके सिर से खून बहने लगा। आवाज सुनकर दौड़े लोगों ने घायल को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों ने कोलगवां थाना पुलिस को सूचना दी । पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम करवाया।

मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि 2 दिन पहले जमुना कोल के भतीजे की शादी थी। इस कार्यक्रम में कई रिश्तेदार आए हुए थे। पड़ोसी दादू कोल भी समारोह में शामिल था। शादी के बाद दोनों रात भर शराब पीते रहे। नशे में दोनों के बीच विवाद हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी दादू कोल को गिरफ्तार कर लिया है। उसे कोर्ट में पेश कर दिया गया है। थाना प्रभारी सुदीप सोनी ने बताया कि इस मामले में आरोपी से पूछताछ की गई है। विवाद का कोई पुराना कारण नहीं है। नशे के दौरान हुई कहासुनी ही हत्या की वजह बन गई।

कमिश्नर ने मुख्यमंत्री जी के दौरे की तैयारियों का लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 4 मई को एक दिवसीय प्रवास पर रीवा आ रहे हैं। मुख्यमंत्री नवीन जिला न्यायालय भवन तथा सर्किट हाउस के नवीन खण्ड का लोकार्पण करेंगे। कमिश्नर बीएस जामोद ने दोनो कार्यक्रम स्थलों का दौरा करके तैयारियों का जायजा लिया। कमिश्नर ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था, मंच व्यवस्था, भोजन व्यवस्था, आमंत्रितों के बैठने की व्यवस्था तथा वाहनों की पार्किंग के संबंध में निर्देश दिए। निरीक्षण के समय प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

आधुनिक सुविधाओं व सुरक्षा मानकों के अनुसार निर्मित किया गया इंडो-यूरोपियन शैली में विश्राम गृह

मुख्यमंत्री आज करेंगे नवीन विश्राम गृह का लोकार्पण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रीवा राजनिवास सर्किट हाउस परिसर में नवनिर्मित विश्राम गृह का लोकार्पण करेंगे। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल लोकार्पण के अध्यक्ष रहेंगे। इंडो-यूरोपियन शैली में पुर्नघनत्वीकरण योजना से 656.45 लाख रूपये की लागत से नवीन विश्राम गृह सभी आधुनिक सुविधाओं और सुरक्षा मानकों के अनुसार निर्मित किया गया है।

लोकार्पण कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर सांसद जनार्दन मिश्र, विधायक गुढ़ नागेन्द्र सिंह, विधायक सिरमौर दिव्यराज सिंह, विधायक त्योंथर सिद्धार्थ तिवारी, विधायक सिरमौर अभय मिश्रा, विधायक मनगवां नरेन्द्र प्रजापति सहित अध्यक्ष जिला पंचायत नीता कोल, महापौर अजय मिश्रा तथा अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय उपस्थित रहेंगे।

पुर्नघनत्वीकरण योजना से म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा 2200 वर्ग मीटर में नवनिर्मित विश्राम गृह के भूतल में एक स्विट रूम, एक बेडरूम, एक वेंटिंग एरिया, 24 सीटर मीटिंग हॉल, ड्राइंग रूम, 14 सीटर डायनिंग एरिया, किचन स्टोर व पीछे कोर्ट यार्ड का निर्माण कराया गया है। जबकि प्रथम तल में एक व्हीआईपी स्विट रूम सहित चार स्विट रूम बनाये गये हैं। भवन में लिफ्ट एवं अग्निशमक यंत्र का भी प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री माय रीवा सिटीजन ऐप का करेंगे शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रीवा प्रवास के दौरान नगर निगम द्वारा निर्मित माय रीवा सिटीजन ऐप का शुभारंभ करेंगे नागरिकों की सेवा में यह एक स्मार्ट पहल है जिसके माध्यम से रीवा के नागरिक नगर निगम की सेवाओं से जुड़कर घर बैठे आवश्यक सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। माय रीवा सिटीजन ऐप में शिकायत पंजीकरण, स्वच्छता, स्ट्रीट लाइट, नाली, सड़क, सीवरेज, पेयजल सहित सेवा ट्रैकिंग और समाधान स्थिति को देखा जा सकेगा। इसके माध्यम से आमजन सुझाव, फीडबैक प्रशासन तक पहुंचा सकेंगे। जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र, सम्पत्तिकर, जलकर भुगतान, अनुमति एवं अनापत्ति प्रमाण पत्र व ई चालान सहित अन्य सेवाओं का लाभ ले सकेंगे। ऐप में शिकायत के साथ फोटो अपलोड करने, गूगल मैप आधारित स्थान चिन्हांकन, वन स्टाप प्लेट फार्म में शिकायतों, सेवाएँ, सरल व पारदर्शी इंटरफेस, डैशबोर्ड तथा सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का निराकरण आदि की सुविधा भी रहेगी।

रीवा में 13 परीक्षा केन्द्रों में आज होगी नीट यूजी की परीक्षा

परीक्षार्थी समय पर परीक्षा केन्द्र पहुंचकर कराएं पंजीयन - कलेक्टर

किसी भी तरह का इलेक्ट्रानिक उपकरण और खाद्य पदार्थ ले जाना रहेगा प्रतिबंधित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में 13 परीक्षा केन्द्रों में 4 मई को नीट यूजी की परीक्षा आयोजित की जा रही है। परीक्षा में बड़ी संख्या में परीक्षार्थी शामिल होंगे। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने इस संबंध में कहा है कि परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जा रही है। परीक्षा केन्द्र में पहुंचने के लिए सुबह 11 बजे से 1.30 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। सभी परीक्षार्थी एनटीए वेबसाइट से अपने प्रवेश पत्र डाउनलोड करके उसका प्रिंट साथ रखें। परीक्षा केन्द्र में प्रवेश के लिए दो पासपोर्ट आकार तथा एक पोस्टकार्ड साइज की फोटो एवं फोटोयुक्त पहचान पत्र की मूल प्रति साथ रखना आवश्यक होगा। सभी परीक्षार्थी रिपोर्टिंग टाइम पर परीक्षा केन्द्र पहुंचकर अपना पंजीयन करा लें। परीक्षा शांतिपूर्वक आयोजित करने के लिए सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। सभी परीक्षा केन्द्रों में सशस्त्र पुलिस बल तैनात रहेगा। परीक्षार्थियों की अधिक संख्या तथा बड़ी संख्या में वाहनों के शहर में प्रवेश को ध्यान में रखकर 4 मई को शहर के कई प्रमुख मार्गों में ट्रैफिक डायवर्ट किया जाएगा। परीक्षा शुरू होने से कम से कम एक घंटे पहले सभी परीक्षार्थी निर्धारित परीक्षा केन्द्रों में पहुंच जाएं जिससे समय पर पंजीयन किया जा सके। निर्धारित समय के बाद परीक्षा केन्द्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। कलेक्टर ने कहा है कि नीट यूजी परीक्षा के संबंध में कहा है कि सोशल मीडिया पर कई तथ्यहीन सूचनाएं मिल सकती हैं। ऐसे भ्रामक मैसेज से परीक्षार्थी सावधान रहें। किसी भी तरह का संदिग्ध मैसेज मिलने पर पुलिस कंट्रोल रूम को उसकी सूचना दें। परीक्षा के दौरान अनुचित साधनों और अपराधों के लिए पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम 2024 के प्रावधानों के तहत कठोर कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने सभी परीक्षा केन्द्र प्रभारियों को नीट यूजी की परीक्षा के लिए आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर ने कहा है कि नीट यूजी परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थी अपने साथ एनटीए वेबसाइट से डाउनलोड किया गया प्रवेश पत्र, पोस्टकार्ड साइज की एक फोटो तथा पासपोर्ट आकार की दो फोटो अवश्य साथ लाएं। इसके साथ-साथ किसी एक अधिकृत फोटो पहचान पत्र की मूल तथा वैध प्रति लेकर आना आवश्यक है। पारदर्शी बोतल में पानी लेकर आने की अनुमति रहेगी। कलेक्टर ने कहा है कि परीक्षा केन्द्र में जूते पहनने की अनुमति नहीं रहेगी लेकिन कम हील की सैण्डल अथवा चप्पल परीक्षार्थी पहन सकते हैं। परीक्षा केन्द्र में किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, इयरफोन, माइक्रोफोन, पेजर, हीटबैण्ड आदि ले जाना पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। चश्मा, घड़ी, बेल्ट, कैप, हैण्डबैग, कैमरा, ब्रोसलेट तथा किसी भी तरह के खाद्य पदार्थ का ले जाना भी प्रतिबंधित रहेगा। अपारदर्शी बोतल में पानी ले जाने की अनुमति नहीं रहेगी। परीक्षार्थी हल्के कपड़े पहनें जिनकी आस्तीन लंबी न हों। फैंसी पाकेट, जिपर, बैज आदि लगा न हो। छात्राएं किसी भी तरह के गहने अथवा धातु की बनी वस्तुओं को न पहनें। फैंसी और कढ़ाईदार कपड़े भी न पहनें। परीक्षा में शामिल होने के लिए निर्धारित निर्देशों का पूरी तरह से पालन करें।

परीक्षा के लिए कंट्रोल रूम स्थापित - नीट यूजी की परीक्षा के संबंध में उम्मीदवारों को सूचनाएं प्रदान करने के लिए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम कलेक्टर कार्यालय में बनाया गया है। इसका फोन नंबर 07662-255143 है। इस संबंध में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने बताया कि कंट्रोल रूम 4 मई को सुबह से परीक्षा समाप्त होने तक चालू रहेगा। इसका प्रभारी अनिल दुबे संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय को बनाया गया है। कंट्रोल रूम में सहायक प्रभारी के रूप में जीवेन्द्र सिंह परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास को तैनात किया गया है। अपर कलेक्टर ने तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को 4 मई को कंट्रोल रूम अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर निर्देशों के अनुसार समस्त कार्यावाहियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं।

बेकाबू होकर निर्माणाधीन नहर में गिरी बाइक, एक की मौत, दो गंभीर रीवा रेफर

बरहों संस्कार से लौट रहे थे कटनी के युवक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में शुक्रवार देर रात निर्माणाधीन नहर में तीन युवकों की बाइक बेकाबू होकर गिर गई। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को संजय गांधी अस्पताल रीवा रेफर किया गया है। पुलिस हादसे की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, नागौद थाना क्षेत्र के माड़ा टोला गांव के पास शुक्रवार देर रात यह दर्दनाक हादसा हुआ। पुलिस के अनुसार, तीनों युवक कटनी के रहने वाले थे, जो जसो में एक बरहों संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। इसके बाद घर लौटते समय रात करीब 2.30 बजे युवकों की बाइक बेकाबू होकर निर्माणाधीन नहर में गिर गई।

एक की मौके पर मौत, दो रीवा रेफर: हादसे में आदित्य दहिया (25) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 22 वर्षीय अजय दहिया और एक अन्य युवक गंभीर घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को पहले जिला अस्पताल लाया गया, जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें संजय गांधी अस्पताल रीवा रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।